RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty, well Quipped Labs, CCTV Controlled Environment, Activity Based Learning, Well Equipped Library, GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते ...

वर्ष : 26 | अंक : 236 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 17 अगस्त, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

केंद्र की अपील के बाद काम पर लौटे डॉक्टर

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कमेटी का गठन होगा

नई दिल्ली/ कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या के मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) समेत डॉक्टरों के कई संगठनों की तरफ से जारी देशव्यापी हड़ताल का असर दिखने लगा है। केंद्र सरकार ने इस मामले में सक्रियता दिखाते हुए डॉक्टरों से जल्द से जल्द काम पर लौटने की अपील की है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि फोर्डा, आईएमए और सरकारी अस्पतालों के आरडीए की तरफ से बताई गई चिंताओं के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्रालय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कमेटी का गठन कर रह है। यह कमेटी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर सभी संभव कदमों का ब्योरा देगी। इस कमेटी को सुझाव देने के लिए अलग-अलग

प्रतिनिधियों और राज्य सरकारों का भी स्वागत है। मंत्रालय प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से अपील करता है कि वह जनहित के लिए डेंगू-मलेरिया के बढ़ते केसों के मद्देनजर काम पर लौटें।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में देशभर के डॉक्टरों का गुस्सा उफान पर है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। आईएमए ने देश के सभी डॉक्टरों को 24 घंटे के लिए सेवाएं वापस लेने की घोषणा की। आपात सेवाएं जारी रहेंगी। ओपीडी भी बंद रहेंगी और वैकल्पिक सर्जरी को भी टाल दिया जाएगा।

डाक्टरों ने आईएमए के बैनर तले की हड़ताल

वहशी दरिंदों को फांसी की सजा दी जाए : डा. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ सामूहिक बलात्कार व नृशंस हत्या के खिलाफ नोएडा के डॉक्टरों का भी आज आक्रोश फूटाा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएम) के बैनर तले सैकड़ों डाक्टरों ने हाथ में नारे लिखे तख्ती लेकर जोरदार प्रदर्शन किया तथा वहीशे दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के बैनर तले आज शहर के सभी हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम के संचालकों तथा डॉक्टर ने जोरदार प्रदर्शन करके महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने की मांग की।

इस अवसर पर सांसद तथा कैलाश अस्पताल समूह के संचालक डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ जो जघन्य वारदात हुई है इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि हम सभी केंद्र सरकार से मांग कर रहे हैं कि महिला डॉक्टर के वहशी दरिंदों को फांसी की सजा दी जाए तथा ऐसा कठोर कानून बनाया जाए ताकि भविष्य में कोई भी दरिंदा ऐसी (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण की जमीन पर बना रहे थे दुकान, 4 पर मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध रूप से दुकानों का निर्माण करने पर चार लोगों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान निरीक्षक द्वारा आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

उद्यान निरीक्षक मुकेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम पटवारी के खसरा संख्या 730 सेक्टर 2 की भूमि प्राधिकरण की अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के किस भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध दुकानों का निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। प्राधिकरण की टीम द्वारा कई बार इस अवैध निर्माण को रुकवाया गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के लक्ष्मी नगर में लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। थाना प्रभारी ने बताया कि मूल रूप से जलपाईगुड़ी पश्चिम बंगाल निवासी अनुष्का उर्फ चांदनी लक्ष्मी नगर जारचा रोड निवासी बॉबी पुत्र विजेंद्र के साथ करीब एक वर्ष से लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ई-रिक्शा में बैठे बदमाशों ने नशीला पदार्थ सुंघाकर लूटा

नोएडा (चेतना मंच)। सवारी के रूप में ई-रिक्शा में बैठे बदमाशों ने चालक को नशीला पदार्थ सुन कर बेहोश कर दिया। बदमाश चालक को सड़क किनारे फेंक कर उसके पैसे, मोबाइल व ई रिक्शा को लेकर रफू चक्कर हो गए। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ थाना सेक्टर-24 में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने करीब ढाई माह बाद इस मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

मोरना गांव में किराए पर रहने वाले टीकाराम ने बताया कि वह ई रिक्शा चला कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है। वह 2 जून की शाम को सेक्टर 24 से दो सवारी लेकर सेक्टर 52 के लिए जा रहा था। रास्ते में सवारी के रूप में बैठे बदमाशों ने बहाने से उसका ई-रिक्शा रुकवाया ई रिक्शा रुकते ही एक बदमाश ने उसे नशीला पदार्थ सुंघा दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दो गुटों में मारपीट पांच गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मोदी माल के गेट पर मारपीट कर रहे 5 युवकों को गिरफ्तार किया है। झगड़े के दौरान आरोपियों ने एक दूसरे की कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था। पुलिस टीम को सूचना मिली कि मोदी मॉल के गेट पर कुछ युवक आपस में मारपीट कर रहे हैं। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस को कुछ युवक आपस में मारपीट करते हुए दिखाई दिए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के जेपी स्पोर्ट्स सिटी की निर्माणाधीन सोसाइटी में काम करते समय ऊंचाई से गिरकर एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया साथी मजदूरों ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया ।

मूल रूप से जनपद मथुरा निवासी (24 वर्षीय) चंदन पुत्र महेश जेपी स्पोर्ट्स सिटी में एक निर्माणाधीन इमारत पर काम करता था। काम करने के दौरान संतुलन बिगड़ने के वजह से वह ऊंचाई से नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। साइट पर काम कर रहे अन्य मजदूरों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर थाना दनकौर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है। इस संबंध में परिजनों द्वारा अभी कोई (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-11 व 93बी में चला सफाईगिरी अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने आज सेक्टर-11 तथा 93बी में सफाईगिरी अभियान चलाया। इस दौरान आरडब्ल्यूए के सहयोग से प्राधिकरण कर्मचारियों ने जगह-जगह से कूड़ा बीनकर बोरे में रखा।

कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों तथा सेक्टरवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। लोगों को अपने सेक्टर को साफ-सुथरा रखाने तथा गीला एवं सूख कचड़ा अलग-अलग रखने की अपील की गई।

इस दौरान सेक्टर-11 में उप महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) राजेश कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (जन स्वास्थ्य) गौरव बंसल, एपीई उमेश चंद, प्रबंधक पवन, अजय यादव, उद्यान निरीक्षक उमेश चंद, स्वास्थ्य निरीक्षक जगपाल सिंह, जेई निर्देश व आर.के. जोशी तथा आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अंजना भागी समेत सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

वहीं सेक्टर-93बी में सफाईगिरी अभियान के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक जन स्वास्थ्य विद्युती आर.के. शर्मा, वर्क सर्किल-8 के वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार, उद्यान विभाग के निर्देशक राजेन्द्र कुमार, (शेष पृष्ठ-3 पर)

डीएलएफ मॉल में बम की सूचना से मचा हड़कंप

नोएडा (चेतना मंच)। आज सेक्टस-18 स्थित डीएलएफ मॉल में बम की सूचना से हड़कंप मच गया। मौके पर पुलिस की टीम बम निरोधक दस्ते के साथ पहुंची तथा समूचा माल खाली करा दिया। बाद में मॉल के प्रबंधन ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस की यह मॉक ड्रिल की गयी है।

सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा कारणों से मॉल को खाली करवा दिया गया और आसपास के इलाके को सील कर दिया गया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड ने पूरे मॉल की गहन तलाशी ली। इस घटना से मॉल में मौजूद सैकड़ों लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी खरीदारी अधूरी छोड़कर बाहर निकल गए। पुलिस ने भीड़ को शांत करने का प्रयास किया और स्थिति को नियंत्रण में रखा।

गर्भपात के दौरान महिला की मौत

प्रेमी ने साथियों संग मिलकर शव को ठिकाने लगाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गर्भपात के दौरान हुई महिला की मौत के बाद उसके शव को ठिकाने लगाने के आरोप में थाना जेवर पुलिस ने महिला के प्रेमी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अवैध रूप से गर्भपात करने वाले झोलाछाप डॉक्टर व उसके सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया है।

प्रेमी व झोलाछाप डाक्टर समेत 4 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा डीसीपी साद मिया खान ने बताया कि जेवर की आर आर कॉलोनी में रहने वाली तबस्सुम (काल्पनिक नाम) के परिजनों ने 15 अगस्त को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों ने बताया कि तबस्सुम 6 अगस्त से लापता है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू तो कई चौंकाने वाली बात सामने आई। जांच में पता चला कि तबस्सुम के पति की करीब 5 वर्ष पहले मौत हो गई थी। तबस्सुम का अपने ही परिवार के युवक जमशेद के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। मृतका की मोबाइल की आखिरी लोकेशन जमशेद के साथ मिली। जिस पर पुलिस का शक जमशेद पर गहरा गया। संदेह के आधार पर जमशेद से पूछताछ की गई तो उसने सच्चाई उगल दी। जमशेद ने बताया कि तबस्सुम गर्भवती हो गई थी। वह आठ माह की गर्भवती थी लोकलाज के भय से उसने तबस्सुम का गर्भपात कराने की योजना बनाई। गर्भपात कराने के लिए उसने अपने जानकार सद्दाम से संपर्क किया।

सद्दाम ने बताया कि खुर्जा में क्लीनिक चलाने वाला राजकुमार उसका परिचित है। इसके बाद वह तबस्सुम को 6 अगस्त को खुर्जा लेकर पहुंचा। यहां गर्भपात के दौरान तबस्सुम की हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया।

तबस्सुम की मौत के बाद जमशेद ने उसके शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। योजना के तहत जमशेद अपने साथियों के साथ मिलकर तबस्सुम के शव को थाना अनूपशहर क्षेत्र के सुनसान जंगल में फेंक आया। जमशेद के निशानदेही पर अनूप शहर के जंगल से तबस्सुम का नर कंकाल बरामद हुआ। (शेष पृष्ठ-3 पर)

लूट को अंजाम देने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

78 हजार नकदी, बाइक तथा 3 तमंचे बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शराब ठेके के सेल्समैन से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को थाना सूरजपुर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पकड़े गए बदमाशों के पास से लूटी गई नगदी में से 78 हजार रुपए ,बाइक,3 तमंचे व कारतूस बरामद हुए हैं।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना सूरजपुर प्रभारी पुलिस टीम के साथ जैतपुर गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान 130 मी रोड की तरफ से काले रंग की बाइक पर आ रहे तीन युवकों को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार फायर करते हुए सेक्टर डेल्टा वन की तरफ भाग निकले। पुलिस टीम ने पीछा कर जवाबी कार्रवाई करते हुए आत्मरक्षा में गोली चलाई तो एक बदमाश घायल हो गया।

इस दौरान उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम हीरा उर्फ छोटे पुत्र प्रमोद कुमार निवासी लोनी गाजियाबाद बताया। पुलिस टीम ने कांबिंग के बाद फरार बदमाश नितिन उर्फ मोगली पुत्र देशपाल निवासी बादशाह नगर दादरी तथा फरमान पुत्र फिरोज निवासी बैंक विहार कॉलोनी थाना लोनी जनपद गाजियाबाद को दबोच लिया। तीनों बदमाशों के पास से 78 हजार रुपए , तमंचे, कारतूस व एक बाइक बरामद हुई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

खुले में जाम छलकाने पर 786 पहुंचे हवालात

ऑपरेशन स्ट्रीट सेफ के तहत पुलिस ने चलाया अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। ऑपरेशन स्ट्रीट सेफ के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में खुले में शराब पीने वाले 786 लोगों को कार्रवाई करके जेल भेज दिया।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिव हरि मीणा के पर्यवेक्षण में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत तीनों जोन (नोएडा, सेन्ट्रल नोएडा व ग्रेटर नोएडा) में रात्रि में सार्वजनिक स्थानों पर खुले में शराब पीने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध एक दिवसीय अभियान चलाया। अभियान के दौरान डीसीपी नोएडा जोन रामबदन सिंह, डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा जोन शक्ति मोहन अवस्थी व डीसीपी ग्रेटर नोएडा जोन साद मिया खान के नेतृत्व में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले लोगों के विरूद्ध धारा 292 बीएनएस के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी।

डीसीपी नोएडा जोन रामबदन सिंह के नेतृत्व में नोएडा जोन में अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग करते हुए थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा 35 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-126 पुलिस द्वारा 20 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-39 पुलिस द्वारा 48 व्यक्तियों, थाना फेस-1 पुलिस द्वारा 40 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-24 पुलिस द्वारा 60 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा 45 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-49 पुलिस द्वारा 30 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-113 पुलिस द्वारा 32 व्यक्तियों व थाना एक्सप्रेस वे पुलिस द्वारा 11 व्यक्तियों कुल 321 व्यक्तियों के विरूद्ध खुले में शराब पीने पर धारा 292 बीएनएस के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी।

डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा जोन शक्ति मोहन अवस्थी के नेतृत्व में सेन्ट्रल नोएडा जोन में अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग करते हुए थाना फेस-2 पुलिस द्वारा 33 व्यक्तियों, थाना फेस-3 पुलिस द्वारा 30 व्यक्तियों, थाना सेक्टर-63 पुलिस द्वारा 48 व्यक्तियों, थाना बिसरख पुलिस द्वारा 30 व्यक्तियों, थाना बादलपुर पुलिस द्वारा 17 व्यक्तियों, थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा 10 व्यक्तियों, थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा 29 व्यक्तियों, (शेष पृष्ठ-3 पर)

पालमपुर पर बहस

सोशल मीडिया की एक बहस में पालमपुर का आकाश, पालमपुर का विकास, पालमपुर के दाग और जिला मुख्यालय बनने के ख्वाब आपस में झगड़ रहे हैं। शहर के बुद्धिजीवियों के समक्ष चिंतक, विचारक एवं वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र सूद ने यह जानने की कोशिश की कि पालमपुर को जिला बनाना कितना सार्थक होगा। बेशक जनता अपने भविष्य की खिड़कियां खोलना चाहती है, लेकिन इस क्रांति के लिए नए जिलों की मुहिम ठुकरा दी जाती है। यह एक केस हिस्ट्री की तरह हिमाचल की चुनौतियों और समाधानों के बीच शहरी विकास की रूपरेखा पर चिंता प्रकट करता है। पालमपुर ने भविष्य की तलाश में जो अतीत खोया, उसके ऊपर विचार विमर्श न करें, तो असहाय समाज की बेडियां गिनी जा सकती हैं। आगे बढने की रफ्तार में रोती-छटपटाती चाय की झाडियों को उखाडक़र सुकून पाने की व्यापारिक लालसा को न समझा, तो ट्रैफिक जाम में फंसे शहर की रोज अर्थी निकलेगी। जिस बाजार में टहलते हुए शहर सदा जवान और ऊर्जावान लगता था, आज उसी की सुबह में शाम सी खामोशी इसलिए क्योंकि वाहनों ने रौंद दी शहर की जुबां। बचाओ जहां शहर चीख रहा है। वह तो घुग्गर टांडा, सुग्घर, आईमा, सुग्घर विंद्रावन, मारंडा, बनूरी और खलेट तक चीखने लगा। पालमपुर को पहले नगर और फिर नगर निगम के चरित्र में तो सफल होने दो। हम जिसे शहर मान रहे हैं, वह भू माफिया की गिरफ्त में रोता-बिलखता शहर है, जहां नालों या खड्डों को बहने की फुर्सत नहीं। देखना इस बरसात में किस इमारत ने बहते पानी को धोखा दिया। हम या धोखाधड़ी में बिकते सुकून को शहर मान बैठे या राजनीति के खेल में पालमपुर को दुकान मान बैठे। हिम्मत है तो लड़ो पालमपुर के अतीत और उस पर चिन्हित गौरव के लिए। है हिम्मत तो बचाओ शहर के बीच कृषि विश्वविद्यालय के महत्त्व को, वरना पर्यटक गांव को विकास मानकर बिकने दो अध्ययन की जमीन को। पर्यटन तो चाय की पत्तियों पर भी उगता है। धीरे से देखना कैसे चाय के पौधों की जगह कंक्रीट का पौधारोपण हो गया। कल बचा खुचा बंदला भी जब बिकेगा और पालमपुर पत्थरों पर आबाद दिखेगा, तो फिर सुकून के लिए चंडीगढ़ के आसपास फ्लैट खोज लेना। पालमपुर को पालमपुर की पहचान और पालमपुर की क्षमता में ही विकसित होना है। पहले पंद्रह वार्डों के लिए ऐसे पार्षदों को आगे भेजना सीखो, जो नगर निगम के माध्यम से नागरिक सुकून, शहरी आर्थिकी, शहर की परिकल्पना में ताजगी और इसकी पृष्ठभूमि को गंवाए बिना वर्तमान के संरक्षण में भविष्य की रूपरेखा बना सकें। पालमपुर की तरह बिलासपुर में घुमारवीं, मंडी में सरकाघाट, हमीरपुर में नादौन, कांगड़ा में ज्वालाजी, ऊना में चिंतपूर्णी, कांगड़ा में कांगड़ा, सिरमौर में पांवटा साहिब और सोलन से कहीं विस्तृत आकार में बीबीएन इत्यादि फैल रहे हैं, तो क्या इन्हें भी जिलों के ताज पहना दिए जाएं। इसके विपरीत हिमाचल में शहरी विकास के प्रति नई चेतना, प्राथमिकता व वित्त पोषण की व्यवस्था होनी चाहिए। कायदे से अगर टीसीपी कानून की संवेदना, परिपक्वता, सार्थकता व शहरी विकास योजना के तहत आगे बढ़ें, तो पालमपुर का कल, आज और कल इसकी खासियत को प्रमाणित कर सकते हैं, वरना राजनीति के कौए आपकी छत पर शोर मचाते रहेंगे, लेकिन किसी शुभ सूचना की गारंटी महज कोई घोषणा नहीं दे सकती। तमाम नगर निगमों के प्रबंधन के लिए माकूल धन, सक्षम नीतियां, कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशासनिक ढांचा तथा रूपरेखा चाहिए। नगर निगमों के तहत पुलिस कमिश्नर स्तर की चौकसी तो स्थानीय ट्रांसपोर्ट के नेटवर्क के लिए एलिवेटिड रोड या रज्जु मार्गों की व्यवस्था करनी होगी। शहरों को नागरिक समाज की आशाओं के अनुरूप आगे बढना है, तो वोट की राजनीति में वोटर के बजाय नागरिक बनना भी सीखना होगा। हमारे परिवेश के सारे हल सियासत नहीं करेगी, बल्कि समाज को अपना दायित्व भी ओढना होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री महादेवजी ने इसको रचकर अपने मन में रखा था और सुअवसर पाकर पार्वतीजी से कहा। इसी से शिवजी ने इसको अपने हृदय में देखकर और प्रसन्न होकर इसका सुंदर रामचरित मानस नाम रखा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कहउँ कथा सोइ सुखद सुहाई। सादर सुनहु सुजन मन लाई॥

मैं उसी सुख देने वाली सुहावनी रामकथा को कहता हूँ, हे सज्जनों! आदरपूर्वक मन लगाकर इसे सुनिए॥

दो0-जस मानस जेहि बिधि भयउ जग प्रचार जेहि हेतु।

अब सोइ कहउँ प्रसंग सब सुमिरि उमा बृषकेतु॥

यह रामचरित मानस जैसा है, जिस प्रकार बना है और जिस हेतु से जगत में इसका प्रचार हुआ, अब वही सब कथा मैं श्री उमा-महेश्वर का स्मरण करके कहता हूँ॥

संभु प्रसाद सुमति हियँ हुलसी। रामचरितमानस कबि तुलसी॥

करइ मनोहर मति अनुहारी। सुजन सुचित सुनि लेहु सुधारी॥

श्री शिवजी की कृपा से उसके हृदय में सुंदर बुद्धि का विकास हुआ, जिससे यह तुलसीदास श्री रामचरित मानस का कवि हुआ। अपनी बुद्धि के अनुसार तो वह इसे मनोहर ही बनाता है, किन्तु फिर भी हे सज्जनो! सुंदर चित्त से सुनकर इसे आप सुधार लीजिए॥

(क्रमश:..)

तानाशाह नहीं हैं प्रधानमंत्री मोदी!

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी,यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेंद्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं। जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाईयां होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाइयां हुई हैं, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरूद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्यवाही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गाँधी परिवार से आने वाले वरूण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंतत: वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंतत: पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने

लोकसभा की टिकट दी। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरूद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

लेखक और दिग्गज पत्रकार अरूण शौरी, अटल जी की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे। तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और पीएम मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी पीएम मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरूण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा-आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ-भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह(अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा की टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती भी 'भाजपा के अनुशासन चक्र' का शिकार रहीं। मोदी ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बनाया और उनके साथ भाजपा छोड़कर गए प्रह्लाद सिंह पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री बने। अब पटेल मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ये उदाहरण बताते हैं मोदी अपने लोगों के प्रति खासे उदार हैं। वे अपनी 'निजी आलोचना' की बहुत परवाह नहीं करते और गांठ नहीं बांधते। निजी रिश्तों को राजनीति से ऊपर रखते हैं। वे शरद पवार के अभिनंदन समारोह में शामिल हो सकते हैं, मुलायम सिंह यादव के परिवार में आयोजित विवाह समारोह में भी इटावा भी जा सकते हैं। उनकी ताकत है कि वे कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ भाजपा की सरकार बनाने की अनुमति दे सकते हैं। राजनीतिक समझ-बूझ के साथ अपने वैचारिक आग्रहों पर डटे रहना मोदी की विशेषता है। इसलिए वे भारतीय राजनीति की पिच पर आज भी मजबूती से जमे हुए हैं।

-प्रो.संजय द्विवेदी

एक पराजित लड़ाई

उसे पता था वह हार जाएगा, लेकिन इसके बावजूद वह उम्र भर लड़ता रहा, एक हारती हुई लड़ाई। यह लड़ाई उसकी पेट भरने की लड़ाई थी। वह भीख मांग कर पेट नहीं भरना चाहता था, काम करके इज्जत की दो रोटी खाना चाहता था, लेकिन ये सब बातें इतनी बार दुहरायी जा चुकी हैं कि अब किसी घिसी हुई देसी फिल्म के संवाद भी नहीं लगतीं। इन्हें सुन कर अब किसी का दिल नहीं पसीजता। सरकारी मशीनरी के कल पुर्जे नहीं हिलते। भूख प्यास का शोर तेज हो जाता है तो इस मशीनरी पर घोषणाओं और नारों की एक और वार्निश कर दी जाती है। कुछ वर्ष पहले जब देश और दुनिया में महामारी फैली तो सडक़ों और चौराहों पर मौत के हरकारे दनदनाते थे। तब इन चौराहों से भिखारी ब्रिगेड गायब हो गए थे। कहा जा रहा था कि आसन्न मौत की शंका सबको डरा देती है। इन्हें भी डरा गयी। इसलिए इन गिरोहों के सरगना जलावतन हो गए, लेकिन भीख मांगने वाले कांपते हुए हाथ तो अभी तक यहां वहां फैले हैं। कोई और चारा न देख कर वे लोग फिर इन चौराहों पर नजर आने लगे हैं। कांपते हाथों, टूटते शब्दों के साथ आपकी कार के शीशे पर कपड़ा मारने का नाटक करते हुए। लेकिन आजकल इन गाडियों के शीशे नहीं खुलते। इन शीशों के पीछे, कारों के

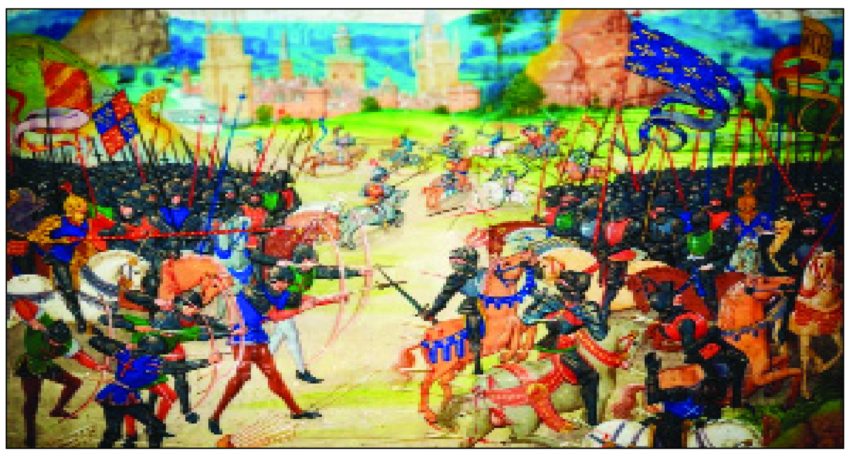

बीच डरे हुए लोग बैठे हैं। सडक़ पार जो खड़ा होकर अपना पेट भरने की विनय कर रहा है, उसका पहनावा फटा पुराना है और अधमैला सा। उसकी प्रार्थना भी बहुत पुरानी है, उसका पेट भर देने की और अंदर जो मूल्यवान कपड़े से मुंह ढके बैठा है, उसकी उपेक्षा कर रहा है। भूख के खिलाफ एक लड़ाई चलती नजर आती है, एक हारती हुई लड़ाई। लडऩे के लिए ऊंची आवाज चाहिए, अति नाटकीयता चाहिए, आंसुओं का सजता हुआ बाजार चाहिए। घोषणाओं और नारों के तोरणद्वार चाहिएं और फिर उपलब्धियों के आंकड़ों का मायाजाल चाहिए। जो जीत गए, उनके पास सब कुछ था। अति नाटकीय भंगिमा के साथ मंच से उभरती हुई ऊंची आवाज थी, अनुसरण करते हजारों लोगों का बहते हुए आंसुओं का बाजार था। इसकी बढ़ती हुई टीआरपी उनका वोट बैंक बनती थी। जो जीतता है, वह राज करने की पांच वर्षीय नहीं पच्चीस वर्षीय योजना के साथ जीतता है, जो हारता है उसे उपेक्षा के साजिशी अंधेरे घेर लेते हैं। जो न कभी जीतता है और न कभी हारता है, वही तो है इस देश का आम आदमी जो नारों और घोषणाओं के त्रिशंकु पर लदा सदा हारने की लड़ाई लड़ता रहता है। वह कभी जीतता नहीं, जीतने के भ्रम में ही एक और लड़ाई हार जाता है।

रोटी, कपड़े और मकान की लड़ाई, हर हाथ को काम मिलने की लड़ाई, बेघर के घर और अधनंगे जिस्मों को कपड़े की लड़ाई। उसने पहले गांवों में अपने खेतों से निवल आय और निवल निवेश की वृद्धि को शून्य होते देखा तो भर पेट जीने के लिए शहरों में चले आए। शहरों में तीन शिफ्ट की जगह एक शिफ्ट चलती हुई फैक्टरियां मिलीं, कांइयां महाजनों का बही खाता मिला और हर रोज भूखा पेट रहने की मजबूरी यहां भी उसका पीछा करती रही। कल कारखानों के पीछे मजदूरों की अकेली और उदास बस्तियां खड़ी हैं, लेकिन इन बस्तियों के पीछे बंद गलियों के आखिरी मकान मिल जाते हैं, जहां अद्धे और पौने में उनके जेहन का सुकून मिलता है। लेकिन यह हारती हुई लड़ाई कभी कहीं चैन नहीं देती। उड़ान भरी तो पंख टूट गए, नशे की अंधेरी गुफा में गए तो पड़ोसी माफिया के हाथ का खिलौना बन गए। आधी-अधूरी चलती फैक्टरियां भी तो किसी को अपने दामन में नहीं समेटती।

-सुरेश सेठ

राशिफल

श्रावण शुक्ल पक्ष : द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक दुविधा बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा आएगी। स्वास्थ्य ठीकठाक है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। चोट-चपेट से बचें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत हैं। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक दवाब झेलेंगे। स्वास्थ्य दिक्कत में रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीकठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कंधे में, नाक-कान व गला में परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीका भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक भ्रामक-सा मन रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी नहीं है।

आईआईए ग्रेटर नोएडा ने मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चैप्टर कार्यालय के प्रांगण में 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में चैयरमैन राकेश बंसल, बाबूराम भाटी एवं विशारद गौतम ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। सभी ने मिलकर राष्ट्रीय गान गाया।

स्वतंत्रता के लिए बलिदानी वीरों, शहीदों को श्रद्धा सुमन व्यक्त किए गए । सभी वरिष्ठ जनों ने स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। संक्षिप्त व्याख्यान में जाति धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर वतन में अमन, सौहार्द पर आपने विचार रखे। साथ ही सभी ने सुरुचि अल्पाहार किया।

इस आयोजन में राजीव सूद, बाबूराम भाटी, विशारद गौतम, जेड रहमान, जे एस राणा, सरबजीत सिंह, मनोज सिराधना, शिशुपम त्यागी, महेश त्यागी, हिमांशु पांडे, राकेश कुमार, अनिल अप्पन, अनवर हुसैन, इदरीश खान, सोहराब जामी, जगदीश सिंह, रोहित गोएल, नवीन गुप्ता, अरूण गुप्ता, सुनील राजदान, संदीप शर्मा, रामलाल केसरी, प्रवीण सूद, शराफत फारूखी, कपिल, अनुज कासना, पंकज शर्मा आदि सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

अनन्या इलेक्ट्रिक व्हीकल का हुआ उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर ओमिक्रोन-1 मथुरापुर ग्रेटर नोएडा में अनन्या इलेक्ट्रिक व्हीकल का मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी विशिष्ट अतिथि मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड समाजवादी पार्टी गौतम बुद्ध नगर कुंवर नादिर शाह जिला महासचिव समाजवादी पार्टी गौतमबुद्धनगर सुधीर तोमर ने फीता काटकर उद्घाटन किया और पहले ग्राहक को चाभी भेंट की।

इस अवसर पर विनय शर्मा, जतिन सिंह, विनीत सिंह, उत्कर्ष सिंह, अयोध्या अवस्थी, राजेश कुमार, मनोज कुमार, प्रीति शर्मा रेखा अवस्थी आशु सिंह, गगन चुंग, विपिन, अरविंद तिवारी, सत्येंद्र सिरोही,उमेश केसरी,गजेंद्र यादव, दिगंबर सिंह, विकास पटेल, अनिल पाल, अनीश कुमार, हेमंत दुबे, कुलदीप तिवारी, अनुज मिश्रा, कात्यान मिश्रा, भानु यादव, चिरंजीवी यादव, सौरभ सिंह, हरि पाढ़ी, जीतू, सत्या, सूरज, अंगद पाल, दिनेश पाठक, प्रशांत अवस्थी, राजकुमार, अजय परिहार, महेश परिहार, दर्शन सिंह, सूर्या तिवारी, चंद्र प्रकाश तिवारी, करण चौहान, पुष्कर सिंह, मोहन सिंह, संदीप, रामबाबू साहू अखिलेश कुमार, राजनाथ यादव, सुनील यादव, विकास यादव, प्रदीप, सुरेंद्र चौहान, प्रवीण सिंह, ललित चौहान, नवीन, विशाल सिंह, अविनाश शर्मा,अजय शर्मा,जीवन, राजवीर सिंह, धीरज यादव पुष्पेंद्र शर्मा, अंकित यादव, मनोज कुमार नंदन सिंह, सूर्यकांत मिश्रा, चंदन, विशु शर्मा, जितेंद्र नाथ, एनुअल हक आदि लोग मौजूद रहे।

किसान एकता संघ के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ के कार्यकर्ता पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत

ईस्टर्न पेरिफेरल के सिरसा टोल प्लाजा पर प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में इकट्ठा हुए संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे क्षेत्र के किसानों की जमीन से होकर निकला है जिन किसानों ने इस रोड को बनाने के लिए अपनी जमीन दी थी उन किसानों के बच्चों को रोजगार नहीं दिया गया।

इस मौके पर रमेश कसाना,विक्रम नागर,पंडित प्रमोद शर्मा,पप्पे नागर,राकेश चौधरी,जयप्रकाश नागर, राजेंद्र चौहान, सहदेव भाटी, कृष्ण पंडित, अकरम खान, डॉ जाफर खान, अमित नागर, अकरम खान, मेहरबान अली, सोनू योगी, नीरज कसाना, परवेज, हाशिम सैफी, अनिल नागर सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

क्षेत्र को मिली पहली लाइब्रेरी की सौगात

दनकौर (चेतना मंच)। देश की आज़ादी के 77 वर्ष पूर्ण होने पर यमुना क्षेत्र के डूँगरपुर रीलका गाँव में किसान एकता संघ के अथक प्रयासों से क्षेत्र में पहली लाइब्रेरी का शुभारंभ यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरूणवीर सिंह, ओएसडी शैलेंद्र भाटिया व ओएसडी शैलेंद्र सिंह,जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह, डीजीएम राजेंद्र सिंह भाटी द्वारा किया गया।

इस मौक़े पर सोरन प्रधान, देशराज नागर, रमेश कसाना, वनीश प्रधान,श्री कृष्णा बैसला, पंडित प्रमोद शर्मा, विक्रम नागर, सतीश कनारसी, पप्पे नागर, जगदीश शर्मा, जयप्रकाश नागर, अर्चना सिंह सुभाष भाटी, जीतन नागर, मेहरबान अली, कृष्ण शर्मा, आजाद अधाना, सचिन नागर, रवि नागर सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने विद्युत उप केन्द्र पर जड़ा ताला

ग्रेटर नोएडा। विद्युत आपूर्ति ठप्प होने से नाराज ग्रामीणों ने दनकौर विद्युत उपकेन्द्र पर ताला जड़ दिया है।

लोगों के द्वारा पुलिस की मौजूदगी में भी बिजली घर को पूरी तरह से बंद किया गया है। लोगों की मांग है कि जब तक हमारे गांव की बिजली पूरी तरह से चालू नहीं की जाती है तब तक हम दनकौर उपकेंद्र को पूरी तरह से बंद रखेंगे।

इफको में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको घियानगर फूलपुर में 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर.पी.सिंह, निदेशक, एचआर एवं लीगल एवं विशिष्ट अतिथि शोभा सिंह रहे। मुख्य अतिथि आर.पी.सिंह ने ध्वजारोहण किया एवं राष्ट्रगान गाया गया। इफको सुरक्षा गार्ड, पीएसी बैण्ड के जवान, केन्द्रीय विद्यालय स्कॉउट-गाइड के बच्चों ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। पी.ए.सी. बैण्ड द्वारा देशभक्ति के धुनों पर मनोहर प्रस्तुति दी जिसका नेतृत्व हवलदार केशव सिंह ने किया।

आर.पी.सिंह ने कहा कि हम अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे। यह हमें 200 वर्षों अंग्रेजों की गुलामी नहीं बल्कि 1000 वर्ष की गुलामी के उपरांत मिली है। जिन लोगों ने आजादी के लिए कुर्बानी दी है एवं संघर्ष किया है, उनको हमारा नमन व श्रद्धांजलि एवं वो हमारे प्रेरणा है। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आजादी मिलना एक बात है, लेकिन उसे कायम रखना उससे भी बड़ी बात है क्योंकि हमें तथा हमारे पड़ोसी मुल्कों को लगभग एक ही समय आजादी मिली थी लेकिन वहाँ जारी राजनैतिक अस्थिरता, सैन्य शासन, लोकतंत्र का आभाव, मौलिक अधिकारों का हनन,हिंसा आज चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब हम आजाद हुए थे तो हमारे लिए सबसे बड़ा संकट खाद्यान का संकट था। लेकिन हरित क्रांति एवं आधुनिक खाद के उपयोग से आज हम कृषि आत्मनिर्भर देश है। लेकिन वर्तमान समय एक दूसरा संकट जैसे पर्यावरण, मिट्टी की गुणवत्ता,ग्लोबल वार्मिंग की समस्या एवं उसका विकल्प। इफको ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी लेकर आया जो इन चुनौतियों से निपटने में सहायक है। नैनो उर्वरक समय के साथ बदलाव की मांग है एवं आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा। केन्द्रीय विद्यालय एवं ओम बाल विद्या मंदिर के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सुझाव योजना के तहत विजेता कर्मचारियों, मेधावी छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शरद अग्निहोत्री ने किया। इसके अतिरिक्त मुख्य अतिथि आर.पी.सिंह ने नैनो संयंत्र का दौरा किया।अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के सहकारी कानून समिति (सीएलसी) के सदस्य बनने तथा फूलपुर इकाई आगमन पर इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं इफको इम्पलाइज संघ के कार्यालय में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, महाप्रबंधक क्रमशः संजय वैश्य, एम.डी.मिश्र, ए.पी.राजेन्द्रन, संजय भंडारी, पी.के.सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः डॉ. अनिता मिश्रा, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार,अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार, एस.के.सिंह, ए.के.गुप्ता, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्प्लाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण रोकने में प्राधिकरण अधिकारी अक्षम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हबीबपुर गांव के बगल

में स्थित पेट्रोल पंप के पास खसरा नंबर-156 में अवैध रूप से हो रहे निर्माण को रोकने में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी असहाय साबित हो रहे हैं।

बताया जाता है कि पेट्रोल पंप के बगल में स्थित खसरा नंबर 156 में देवेश मालिक द्वारा अवैध रूप से निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से कई बार की लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाई।

वहीं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी अवैध निर्माण रोकने में अक्षम साबित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री का आदेश भी इस भूमिया पर असर नहीं कर रहा है। अपने आपको बताया जाता है कि खसरा नंबर-156 में लगे विद्युत कनेक्शन को भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने अवैध घोषित करते हुए एनपीसीएल को कनेक्शन काटने का आदेश भी जारी किया है।

वर्क सर्किल तीन के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम चौधरी ने इस मामले को लेकर कहा है कि जांच हो रही है लेकिन एक महीने का समय बीत जाने के बाद भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जांच अभी तक पूरी नहीं हो पाई।

जांच-जांच-जांच जब तक जांच होगी तब तक पूरा निर्माण हो जाएगा और उसके बाद प्राधिकरण के अधिकारी हाथ पर हाथ भर बैठे रहेंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

डाक्टरों ने आईएमए के बैनर....

जघन्य हरकत करने का दुस्साहस न कर सके।

उन्होंने कहा कि हड़ताल के दौरान सभी अस्पतालों की इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेगी ताकि किसी को कोई दिक्कत न उठानी पड़े। इस मौके पर शहर के सभी अस्पताल एवं नर्सिंग होम के संचालक तथा डॉक्टर मौजूद थे।

लूट को अंजाम ...

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने 13 दिन पहले साकीपुर गांव स्थित शराब ठेके के सेल्समैन से 248600 रुपए लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि उनके पास से बरामद हुए 78 हजार रुपए उन्होंने सेल्समैन से लूटे थे। पकड़े गए नितिन उर्फ मोगली ने सेल्समैन की रेकी की थी। रेकी के बाद तीनों बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है

खुले में जाम ....

थाना सेक्टर-142 पुलिस द्वारा 12 व्यक्तियों कुल 209 व्यक्तियों के विरूद्ध खुले में शराब पीने पर धारा 292 बीएनएस के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा जोन साद मिया खान के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा जोन में अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग करते हुए थाना बीटा-2 पुलिस द्वारा 37 व्यक्तियों, थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा 09 व्यक्तियों, थाना दादरी पुलिस द्वारा 80 व्यक्तियों, थाना जारचा पुलिस द्वारा 13 व्यक्तियों, थाना कासना पुलिस द्वारा 11 व्यक्तियों, थाना इकोटेक-1 पुलिस द्वारा 11 व्यक्तियों, थाना दनकौर पुलिस द्वारा 27 व्यक्तियों, थाना जेवर पुलिस द्वारा 54 व्यक्तियों व थाना रबूपुरा पुलिस द्वारा 14 व्यक्तियों कुल 256 व्यक्तियों के विरूद्ध खुले में शराब पीने पर धारा 292 बीएनएस के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी।

गर्भपात के दौरान....

थाना अनूपशहर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जमशेद से पूछताछ के बाद पुलिस ने तथाकथित डॉ राजकुमार उसकी सहयोगी मिथिलेश व उसके पति को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में चार अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने महिला का डीएनए सैंपल लिया है। इस सैंपल का मिलान महिला के बच्चों के सैंपल से किया जाएगा। इस मामले में वांछित अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

सेक्टर-11 व 93बी में ....

वरिष्ठ प्रबंधक जल एवं सीवर कपिल देव, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत व यांत्रिकी प्रदीप कुमार, प्रबंधक रोहित एपीए राहुल गुप्ता, स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश भाटी, आरडब्ल्यूए से सुभाष अवाना, एस.के. चौहान तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

प्राधिकरण की जमीन पर....

इसके बावजूद भी अनिल कुमार ओमवीर सिंह तिलक सिंह सुंदर सिंह पुत्र पाला ग्राम पटवारी द्वारा इस भूमि पर जबरन कब्जा कर दुकानें बनाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि उक्त निर्माण अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है जो उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम 1976 की धारा 10 का उल्लंघन है। उद्यान निरीक्षक ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराते हुए अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से रुकवाने के लिए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

युवती ने फांसी....

शुक्रवार को बॉबी ने सूचना दी कि अनुष्का उर्फ चांदनी ने घर में चुन्नी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के समय बॉबी किसी काम से घर से बाहर गया हुआ था। घर आने पर उसे अनुष्का फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अनुष्का की तबीयत अक्सर खराब रहती थी जिसका इलाज चल रहा था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। भाभी से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

दो गुटों में मारपीट ....

मौके पर ही एक स्विफ्ट तथा स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी हुई थी। दोनों कारों के शीशे टूटे हुए थे। पुलिस के पहुंचने पर भी युवक आपस में मारपीट व एक दूसरे पर पत्थर फेंकते रहे। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह मौके से 5 युवकों को दबोच लिया। पकड़े गए युवकों ने अपने नाम सुमित भाटी पुत्र संजय भाटी, आकाश गुप्ता पुत्र राजेंद्र, अभिषेक गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता, ऋषि गुप्ता पुत्र राकेश गुप्ता व लक्ष्य गुप्ता पुत्र राजीव कुमार गुप्ता बताया। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए युवकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

ई-रिक्शा में बैठे ....

जिस कारण वह बेहोश हो गया। उसके बेहोश होने के बाद बदमाश उसे फुटपाथ पर फेंक कर फरार हो गए। उसे बेहोश पड़ा देखकर कुछ लोगों ने उसके चेहरे पर पानी के छींटे मार कर उसे होश में लाए। होश में आने के बाद उसे पता चला कि उसकी जेब में रखे रुपए मोबाइल में उसका ई रिक्शा गायब है उसने आसपास अपना ई-रिक्शा तलाश नहीं का प्रयास किया लेकिन उसका कोई पता नहीं चला थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

बिल्डिंग से गिरकर ....

तहरीर नहीं दी गई है।परिजन अगर शिकायत करते हैं तो विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं कुछ मजदूरों ने आरोप लगाया कि कार्य के दौरान उन्हें सेफ्टी उपकरण नहीं दिए जाते हैं। सेफ्टी उपकरण न होने की वजह से ही उनके साथी की मौत हुई है।

हल्दौनी में जाम से लोगों को मिलेगी निजात

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हल्दौनी में लगने वाले महाजाम से अब लोगों को शीघ्र निजात मिलेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम चौधरी ने बताया कि खराब हुई सड़क की मरम्मत का कार्य एक-दो दिन में प्रारंभ कर दिया जाएगा उसके बाद टेंडर होने के बाद इसे पूर्ण रूप से बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अभी लोगों की समस्याओं को देखते हुए रिपेयर का काम शुरू करवाया जाएगा उसके बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी होने पर पूरी तरह से दुरुस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हल्दौनी में जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण बरसात का पानी जमा हो जाता है और आए दिन वहां पर जाम लगता है।

उत्तर मध्य रेलवे

सं. झाँसी-एम-डीजल-डब्ल्यू.सी.-टी-05-2024-25 दिनांक 13.08.2024

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से **वरि. मंडल यॉत्रिक इंजीनियर (डीजल), उत्तर मध्य रेल, झाँसी** द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण: विद्युत लोकोमोटिवस की छत पर लगे हुए कैब एअर कन्डीशनरों की मरम्मत एवं प्रीवेन्टिव रखरखाव का कार्य डीजल लोको शेड, झाँसी में तीन वर्ष के लिए।

निविदा मूल्य	बयाना राशि	निविदा प्रपत्र कीमत
₹ 39,92,268.82/-	₹ 79900.00/-	₹ 0.00/-

निविदा बंद होने की तिथि: 17.09.2024, समापन अवधि: 36 माह। • निविदाकार दिनांक 17.09.2024 को 15.00 बजे तक निविदा आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 1454/24 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

कुछ ऐसा करें कि हमें भी लोग श्रद्धांजलि दें : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। हम सभी आज अपनी अंतर्रात्मा से पूछें कि हमने ऐसा कौन सा बड़ा सामाजिक कार्य किया है कि हमारे निधन के बाद लोग हमें श्रद्धांजलि दें। आज हम उनको श्रद्धांजलि दे रहे हे। जिन्होंने राष्ट्र व समाज के लिए बड़ा योगदान दिया है। हम सभी को आज यह संकल्प लेना होगा।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने राष्ट्रीय पर्व 15-अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने एक भव्य समारोह का आयोजन डायमंड क्रॉउन बैंक्विट हॉल सेक्टर 51 में सुनील गुप्ता एनसीआर अध्यक्ष एवं चेयरमैन की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। समारोह में सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, डीसीपी (सेंट्रल जोन) शक्ति मोहन अवस्थी, ए.सीईओ सतीश पाल, सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे सम्मिलित हुए।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

समारोह का आयोजन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के साथ सेंट्रल मार्केट सेक्टर 50, अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल एवं फेलिक्स हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। समारोह में राजकुमार चौधरी, योगेंद्र शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, डॉ. वी के गुप्ता, फेलिक्स हॉस्पीटल के प्रबंध निदेशक डॉ. डीके गुप्ता, निदेशक डा. रश्मि गुप्ता, धर्मपाल गोयल, सतनारायण गोयल, रामनिवास बंसल, पीएस जैन, राधा कृष्ण गर्ग, मूलचंद अवाना, पीयूष द्विवेदी, अजय बाथला, प्रवीण भारद्वाज, संजीव मादरा, राजेश राजोरा, एडवोकेट मनोज गुप्ता, मनोज कटारिया समेत नोएडा की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष एवं प्रमुख उद्योगपति मुख्य रूप से सम्मिलित रहे।

समारोह का संचालन अमित अग्रवाल वरिष्ठ महासचिव द्वारा किया गया। व्यापार मंडल से सुधीर पोरवाल अध्यक्ष, नरेश बंसल कोषाध्यक्ष, अमित पोरवाल महासचिव, राहुल भाटिया महासचिव, फूल सिंह यादव संगठन महामंत्री, मनोज गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष रमाकांत गर्ग, गोविंद अग्रवाल, मनोज गोयल, विक्रम सेठी, रणपाल अवाना, नवीन पोरवाल, शैलेंद्र पोरवाल, आशा पोद्दार, इंदु यादव, उषा थापा, योगिता मल्होत्रा, मधु सिंह, निमिषा नेगी, पूजा अवाना, रिहाना अली, रेनू बाला शर्मा, कुसुम पथरिया, ममता तिवारी, सोना चौधरी, रश्मिता साहू समय सभी पदाधिकारी एवं सदस्य समेत सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद थे।

7 डंपर सीज, 5.65 लाख रुपये का शमन शुल्क वसूला

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में ओवरलोड,अवैध खनन व खुले में निर्माण सामग्री ले जाने वाले परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण लगाए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा 8 सदस्यीय जनपद स्तरीय कार्यबल (टास्क फोर्स) का गठन किया गया है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/प्रभारी खनन अतुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रशासन, खनन विभाग, परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आज थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में ओवरलोड माल वाहनों में पंजीयन चिन्ह अस्पष्ट होने एवं निर्माण सामग्री बिना ढके ले जाने पर 07 डंपर को थाना नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा में सीज किया गया है। इस कार्रवाई में परिवहन विभाग द्वारा 5 लाख 65 हजार प्रशमन शुल्क आरोपित करते हुए सभी चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस एवं परमिट निलंबन करने की कार्रवाई की गई।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बताया कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में आगे भी ओवरलोड, अवैध खनन एवं खुले में निर्माण सामग्री ले जाने वाले परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हेतु अभियान चला कर प्रर्वतन कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। इस अभियान में नायब तहसीलदार सदर रामकृष्ण त्रिवेदी, चौकी प्रभारी सहित पुलिस और प्रर्वतन कर्मी शामिल रहे।

स्टैंडर्ड स्वीट्स समेत कई दुकानों से 6 नमूने लिये

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद अब्दुल्लाह एवं विजय बहादुर पटेल द्वारा अग्रवाल स्वीट्स सेक्टर-12 से रसगुल्ला और लड्डू, स्टैंडर्ड स्वीट्स सेक्टर 12 नोएडा से लड्डू तथा गुप्ता जी रेस्टोरेंट अगाहपुर सेक्टर 42 नोएडा से पनीर का नमूना जांच हेतु संग्रहित किया गया। इसी प्रकार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार व अमर बहादुर द्वारा एक्सप्रेसवे दनकौर टोल ग्रेटर नोएडा के पास फोर व्हीलर गाड़ी से सप्लाई कर रहे सप्लायर से 1 सैंपल खोय तथा बृजवासी स्वीट्स छपरौली सेक्टर 168 नोएडा से 1 सैंपल कलाकंद का जांच हेतु संग्रहित किया गया।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा जनपद में विभिन्न स्वीट्स की दुकानों से 06 खाद्य पदार्थों के नमूनें जांच हेतु लिये गये। सभी सैंपल जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

मुंह में काला कपड़ा बांध महिला मोर्चा ने निकाली आक्रोश रैली

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की अध्यक्षा शारदा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में महिला मोर्चा, नोएडा महानगर द्वारा कोलकाता में हुए महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या मामले को लेकर मुंह पर काला कपड़ा बांधकर और हाथों में मोमबत्तियां लेकर भाजपा महिला मोर्चा, नोएडा महानगर की महिलाओं ने आक्रोश रैली निकाली।

इस रैली के द्वारा महिलाओं ने कोलकाता में हो रहे महिलाओं के ऊपर अत्याचार और रेप को लेकर अपने गुस्से को व्यक्त किया और जल्द से जल्द उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की साथ ही महिला डॉक्टरों को उचित सुरक्षा प्रदान की जाय इसके मांग के साथ जांच में हो रही देरी को लेकर ममता सरकार पर प्रश्नचिन्ह लगाए।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तुरंत इस्तीफे की मांग की। यह रैली सेक्टर-18 सब माल से होकर सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन तक हुई। इस रैली में महामंत्री शिवानी शरद, राजश्री गुप्ता, के साथ नीता वाजपेई, दीपावली दीक्षित,शारदा सिंघल,रेखा सिंह, ममता तिवारी, सरिता सिंह के साथ मंडल अध्यक्ष ममता सिंह, ज्योति सक्सेना, उषा किशोर के साथ मंडल की सभी बहनों ने आक्रोश रैली में अपना-अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए रैली में उपस्थित रही।

मोदी व योगी के नेतृत्व में देश व प्रदेश गा रहा गौरव गाथा : ओमवीर अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश आज 78वें स्वतंत्रता दिवस पर गर्व के साथ विकास की गौरव गाथा गा रहा है। हर देशवासी आज सुरक्षित व चौमुखी विकास की गंगा में गोता लगा रहा है। यह कहना है भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष ओमवीर अवाना का। उन्होंने सैकड़ों साथियों के साथ तिरंगा लेकर मार्च निकाला।

इस मौके पर घनश्याम यादव, मुक्तानंद प्रधान, संतराम त्यागी, रोहित शर्मा, इंद्राज खटाना, संदीप उपाध्याय, अभय त्यागी, विनय द्विवेदी, प्रदीप त्यागी,सतपाल अवाना, विजय अवाना, सुभाष चौहान, विष्णु शर्मा, चरण सिंह प्रधान, मुकेश शर्मा, लीलू अवाना, अमित अवाना, ललित प्रजापति, मांगेराम शर्मा, प्रदीप शर्मा, अनिल, लोकेश पिलवान, उमेश भाटी, अमित, राकेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा, दीपक, रिंकू, उमेश यादव, नितिन कुमार, सौरभ कुमार, कमल अवाना, कल्पनाथ ओझा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा किसाान मोर्चा ने तिरंगा के साथ निकाला पैदल मार्च

शनि मन्दिर में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-14ए स्थित सिद्धपीठ शनि मन्दिर के प्रागंण में स्वतंत्रता दिवस हर्षोंउल्लास से मनाया गया। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर मंदिर से तिरंगा प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त अतिरिक्त सचिव ओमवीर सिंह वीरवाल ने किया।

शनि मन्दिर समिति के अध्यक्ष ठाकुर मान सिंह चौहान ने अपने सम्बोधन में मां भारती की सेवा में सर्वस्य नौछावर करने वाले वीर सपूतों को नमन करते हुए स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देशवासियों को संकल्प लेना चाहिए कि मिलजुल कर हम सब विकसित एवं आत्म निर्भर भारत का निर्माण करें। यही देश के लिए बलिदान देने वाले वीर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का सचांलन मंत्री राजीव मिश्रा द्वारा किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उफ्लेक्स इंडस्ट्रीज समूह के अध्यक्ष दिनेश जैन, हस्तरेखा वास्तु विशेषज्ञ गौतम सहित शनि सेवा समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखियां

नोएडा (चेतना मंच)। मानव रचना इंटरनैशनल स्कूल में राखी के त्योहार की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल की नन्ही छात्राओं ने थाना सेक्टर 49 के पुलिस कर्मियों को राखी बांधी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को रक्षाबंधन एवं सुरक्षा के महत्व और पुलिस की भूमिका के बारे में भी जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत रंग-बिरंगी राखियों से की गई। नन्हें मुन्ने छात्र छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई राखियों को पुलिस अधिकारियों को बाँधा। थाना सेक्टर 49 प्रभारी अनुज सैनी व अन्य पुलिसकर्मियों ने सभी बच्चों को राखी के बदले अपनी शुभकामनाएँ दी और उन्हें सुरक्षा, कानून और समाज में अपने कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान, बच्चों ने पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा से संबंधित सवाल पूछे और उनके उत्तरों को ध्यानपूर्वक सुना। थाना प्रभारी अनुज सैनी ने बच्चों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि राखी का त्योहार हमें भाई-बहन के रिश्ते की महत्वपूर्णता के साथ-साथ समाज में एक-दूसरे की सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी याद दिलाता है।

स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती निंदिया साकेत ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को न केवल त्योहारों की खुशी का अनुभव कराते हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति जागरूक भी बनाते हैं।

राखी उत्सव का यह अनूठा आयोजन सभी के लिए यादगार रहा, जिसमें बच्चों और पुलिस अधिकारियों के बीच एक मजबूत और सकारात्मक संबंध की नींव रखी गई।

एपीएस पब्लिक स्कूल में हुआ ध्वजारोहण

नोएडा (चेतना मंच)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एपीएस पब्लिक स्कूल एवं ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे अखिल भारतीय गुर्जर महासभा गौतम बुद्ध नगर तथा भाकियू के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने हाई स्कूल में प्रथम आने पर सील्ड देकर बच्चों को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि श्री भाटी ने स्कूली छात्र-छात्राओं को 15 अगस्त के बारे में जानकारी दी और कहा कि देश को आजाद करने में असंख्य वीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। वीर जवानों के इस बलिदान का देश सदैव ऋणी रहेगा।

इस दौरान एपीएस पब्लिक स्कूल द्वारा राधा कृष्ण, शिव पार्वती की धार्मिक झांकियां के साथ स्वतंत्रता सेनानियो की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया।

इस दौरान मदन भाटी, सिंहराज गुर्जर, उमेश भड़ाना, राजेंद्र भाटी, रविंद्र भाटी, प्रबंधक चंद्रभान सिंह ठाकुर एवं ओम प्रकाश यादव आदि मौजूद थे।

नोएडा खास खबर

फायरिंग करने पर हवालात पहुंचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर पुलिस ने कार में तमंचा लेकर घूम रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ने नशे की हालत में अपने गांव में फायरिंग कर दहशत फैला दी थी।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम खुर्जा चोरोली रोड पर गस्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की चोरोली मंगरौली तिराहे के पास ऑल्टो कार में सवार एक बदमाश अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मार कर आरोपी को दबोच लिया। तलाशी में कार से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अमित कुमार पुत्र रामनिवास निवासी ग्राम मानपुर बताया। अमित कुमार ने बताया कि उसने बीते दिनों नशे की हालत में अपने गांव के पास तमंचे से हवाई फायर कर दिया था। हवाई फायर करने के बाद वह पकड़े जाने के डर से अपनी कार से इधर-उधर घूम रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

पत्नी व ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज कराया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व ससुराल वालों के खिलाफ मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी तथा ससुराल वाले उस पर दबाव बनाने के लिए उसे दहेज के झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी देते थे।

ग्रेटर नोएडा की पार्श्वनाथ सोसाइटी में रहने वाले प्रदीप शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 21 नवंबर 2019 को ग्राम जुनपत निवासी नेहा के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही नेहा व उसके मायके वालों ने उसके परिवार व उस पर छींटाकसी करनी शुरू कर दी। उसने जब अपनी पत्नी को समझने का प्रयास किया तो वह तथा उसके परिवार वाले उसे दहेज के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगे। प्रदीप शर्मा के मुताबिक 21 मई को वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इस दौरान उसकी पत्नी नेहा, उसके पिता बलराज व चाचा दुकान पर पहुंचे और उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। उसने जब गाली देने का विरोध किया तो उसकी पत्नी व ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक पीड़ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दुकानदार को पीटा, दो युवकों पर मुकदमा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कार में पानी की बोतल पहुंचाने से इनकार करने पर दबंगों ने दुकानदार के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। पीड़ित दुकानदार ने थाना बीटा दो में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जगत फार्म मार्केट में पान, बीड़ी, सिगरेट की दुकान चलाने वाले रविंद्र प्रताप ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 14 अगस्त की रात्रि को अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इस दौरान कार में आए दो युवकों ने उससे पानी की बोतल मांगी। दुकान पर ग्राहक होने के कारण उसने युवकों से दुकान पर आकर बोतल ले जाने को कहा। इस पर कार में बैठे दोनों युवक भड़क गए और उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। दोनों युवकों ने अपने नाम मोनू भाटी व सज्जन भाटी बताते हुए उसके साथ दुकान में घुसकर मारपीट की। उसने जब इस बात का विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने उसे पिस्टल से गोली मारने की धमकी दी। झगड़ा होता देखकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच बचाव कराया। इसके बाद दोनों युवक उसे अंजाम भुगतने की धमकी देकर चले गए।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए कार नंबर के आधार पर युवकों की तलाश की जा रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में बाइक सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के दनकौर बाईपास पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई।

ग्राम इस्माइलपुर जनपद बुलंदशहर निवासी सुभाष सिंह 2 अगस्त की रात्रि को अट्टा गुजरान से बाइक द्वारा अपने घर आ रहे थे। दनकौर बायपास रोड पर मिक्सर प्लांट के पास किसी अज्ञात वाहन ने सुभाष सिंह की बाइक में टक्कर मार दी इस हादसे में सुभाष सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए राजवीरों ने उन्हें सड़क किनारे घायल पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस गंभीर हालत में सुभाष सिंह को अस्पताल लेकर पहुंची जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया। इस संबंध में मृतक के बेटे विपिन कुमार ने अज्ञात वाहन चला के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

हॉकी के दिग्गज श्रीजेश से संन्यास पर बोले पीएम मोदी

टीम को आपकी कमी खलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय हॉकी के दिग्गज पीआर श्रीजेश की प्रशंसा की और कहा, 'टीम को उनकी कमी खलेगी' क्योंकि इस अनुभवी गोलकीपर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद अपने शानदार करियर को अलविदा कह दिया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने आवास पर भारतीय पेरिस ओलंपिक दल से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। श्रीजेश ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ मिलकर पीएम मोदी को अपनी मुलाकात के दौरान भारत की जर्सी और हॉकी भी भेंट की।

खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने श्रीजेश के संन्यास के फैसले के बारे में पूछा, श्रीजेश, क्या आपने पहले से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है? श्रीजेश ने जवाब दिया, मैं पिछले कुछ सालों से संन्यास लेने के बारे में सोच रहा था। मेरे साथी अक्सर मजाकिया अंदाज में पूछते थे, आप कब जा रहे हैं? मैंने पहली बार 2002 में राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया और 2004 में जूनियर स्तर पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। तब से मैं 20 वर्षों से अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, मुझे लगा कि ओलंपिक जैसे भव्य मंच पर संन्यास लेना, जहां पूरी दुनिया एक साथ आती है, मेरे करियर को समाप्त करने का सबसे सही तरीका होगा। प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, टीम आपको याद करेगी, और उन्होंने आपको शानदार विदाई दी है। श्रीजेश ने आगे कहा, सेमीफाइनल हारने के बाद, टीम थोड़ी निराश थी। लेकिन जब हम आखिरी मैच के लिए मैदान पर उतरे, तो मेरे साथी एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाते रहे और कहते रहे, हमें श्रीजेश भाई के लिए यह जीतना है। मैंने उस ओलंपिक पोडियम से उनका धन्यवाद किया और हमारी जीत के बाद अपने संन्यास की घोषणा की।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम ने कई बार शानदार हॉकी खेली; ऐसे प्रदर्शन जिसने उन्हें ओलंपिक में 52 वर्षों के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन किया, ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ टीम के हर एक सदस्य ने एक अविश्वसनीय प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 40 मिनट से अधिक समय तक एक खिलाड़ी के कम होने के बावजूद बचाव किया और पेनल्टी शूटआउट के लिए मजबूर किया और श्रीजेश की वीरता की बदौलत 4-2 से जीत हासिल की। ??

क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन के खिलाफ टीम के प्रदर्शन पर विचार करते हुए 10 गोल के साथ भारत के शीर्ष स्कोरर कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, पहले क्वार्टर के बाद यह कठिन था क्योंकि हमने एक खिलाड़ी खो दिया था, लेकिन हमारे कोचिंग स्टाफ ने अविश्वसनीय समर्थन दिया। ओलंपिक में कुछ भी हो सकता है, इसलिए हमने हर चुनौतीपूर्ण स्थिति की कल्पना की और चाहे कुछ भी हो, अपने गेम प्लान पर डटे रहे। टीम ऊर्जा से भरी हुई थी और किसी भी कीमत पर मैच जीतने के लिए दृढ़ थी। साथ ही 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को हराना अपने आप में एक उपलब्धि और एक बड़ा रिकॉर्ड था।

पेरिस में कांस्य पदक जीतने के साथ भारतीय पुरुष टीम ने म्यूनिख में 1972 के ओलंपिक के बाद पहली बार हॉकी में बैक-टू-बैक पदक जीते और अपना 13वां समग्र ओलंपिक पदक हासिल किया।

प्रधानमंत्री ने विनेश फोगट की ऐतिहासिक उपलब्धि को सराहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली और फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनने वाली पहलवान विनेश फोगट की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक के भारतीय एथलीटों और पदक विजेताओं से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। पेरिस ओलंपिक से भारतीय दल के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने विनेश की उपलब्धि का उल्लेख किया और कहा, विनेश कुश्ती में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय (महिला) बनीं, जो हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है। विनेश की ऐतिहासिक उपलब्धि उस समय धूमिल हो गई जब उन्हें फाइनल मैच की सुबह स्वीकार्य सीमा से कुछ ग्राम अधिक वजन होने के कारण पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम स्वर्ण पदक बाउट से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

दिल्ली प्रीमियर लीग

टी20 के पहले मैच में खेलेंगे ऋषभ पंत

नईदिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के पहले मैच में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शनिवार, 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार 26 वर्षीय पंत ने पहले मैच में खेलने की पुष्टि की है जिसमें उनकी टीम - पुरानी दिल्ली 6 का मुकाबला 17 अगस्त को अरुण जेटली स्टेडियम में आयुष बदोनी की कप्तानी वाली साउथ दिल्ली सुपरस्टार से होगा। पंत के करीबी एक सूत्र के हवाले से कहा गया, ऋषभ ने डीपीएलटी20 का पहला मैच खेलने के लिए सहमति जताई है, क्योंकि वह इस पहल का हिस्सा बनना चाहते हैं, जो दिल्ली में युवाओं को एक बेहतरीन मंच प्रदान करने की संभावना है। वह अपने करियर में दिल्ली क्रिकेट द्वारा निभाई गई भूमिका को स्वीकार करते हैं। हालांकि, उनके लिए खुद का ख्याल रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आने वाला टेस्ट सीजन लंबा है। देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए बेहतरीन फॉर्म में रहना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वह डीपीएल के पहले मैच के बाद लाल गेंद की ट्रेनिंग में वापस आ जाएंगे और सितंबर के पहले सप्ताह में दलीप ट्रॉफी से शुरू होने वाले लंबे प्रारूप के सीजन की तैयारी शुरू कर देंगे। डीडीसीए और पुरानी दिल्ली 6 प्रबंधन ऋषभ के इस कदम की सराहना करते हैं और उनकी प्रतिबद्धताओं का भी सम्मान करते हैं। डीपीएल 2024 में कुल 40 मैच होंगे जिसमें पुरुषों के टूर्नामेंट में 33 और महिलाओं के 7 मैच शामिल हैं। पुरुषों के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली छह टीमें पुरानी दिल्ली 6, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, वेस्ट दिल्ली लायंस और ईस्ट दिल्ली राइडर्स हैं। सभी मैच अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे और फाइनल मुकाबला 8 सितंबर को खेला जाएगा। पंत के साथ दिल्ली कैपिटल्स के साथी इशांत शर्मा और ललित यादव होंगे। इस बीच बदोनी की साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स में शुभम दुबे और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी भी हैं जिन्होंने हाल ही में आईपीएल में खेला है। डीपीएल में खेलने के बाद पंत 5 सितंबर से शुरू होने वाली दुलीप ट्रॉफी में अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली इंडिया बी टीम में शामिल होंगे।

रोहित और विराट दलीप ट्रॉफी में क्यों नहीं खेल रहे, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा

अनुभवी जोड़ी के लिए घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना आवश्यक नहीं समझता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल ही में आगामी दलीप ट्रॉफी में वरिष्ठ भारतीय क्रिकेटरों रोहित शर्मा और विराट कोहली की संभावित भागीदारी के बारे में अटकलों को संबोधित किया। शाह ने स्पष्ट किया कि बोर्ड इस अनुभवी जोड़ी के लिए घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना आवश्यक नहीं समझता। उभरते खिलाड़ियों के लिए एक मंच के रूप में दलीप ट्रॉफी के महत्व को स्वीकार करते हुए शाह ने शर्मा और कोहली जैसे स्थापित खिलाड़ियों के लिए कार्यभार प्रबंधन को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया।

शाह ने कहा, हमें रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों पर दलीप ट्रॉफी में खेलने का आग्रह नहीं करना चाहिए। वे चोटिल होने का जोखिम उठाएंगे। यदि आपने देखा होगा, तो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में हर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलता है। हमें खिलाड़ियों के साथ सम्मान से पेश आना होगा। शाह का बयान बीसीसीआई द्वारा प्रमुख खिलाड़ियों की दीर्घकालिक फिटनेस और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण का सुझाव देता है। दलीप ट्रॉफी में भाग लेना, मैच अभ्यास के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ थकान और चोट के जोखिम को बढ़ा सकता है, खासकर उन खिलाड़ियों के लिए जो पहले से ही सभी प्रारूपों में भारत की योजनाओं का अभिन्न अंग हैं।

बीसीसीआई का यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहां बोर्ड अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों के कार्यभार के प्रबंधन के बारे में तेजी से सतर्क हो रहे हैं।

साउथ अफ्रीका-वेस्टइंडीज टेस्ट

दक्षिण अफ्रीका 160 रन पर ढेर, शमर जोसेफ के 5 विकेट

गुआना (एजेंसी)। गुआना के मैदान पर विंडीज तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने पांच विकेट लेकर साउथ अफ्रीका को दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन 160 पर ढेर कर दिया। प्रोविडेंस स्टेडियम में चल रही तेज हवाओं के बीच शमर के अलावा जेडन सील्स की गेंदें दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूट पड़ीं। अफ्रीका के लिए ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड, काइल और डेन ही 20 से ज्यादा रन बना पाए। शमर जोसेफ ने महज 33 रन देकर 5 विकेट लीं।

दक्षिण अफ्रीका - 160 (54 ओवर)

दक्षिण अफ्रीका की ओर से ऐडन मार्करम और टोनी ने ओपनिंग की। लेकिन चौथे ही ओवर में जेडन सील्स ने टोनी को बोल्ड कर दिया। 11वें ओवर में ऐडन भी 14 रन बनाकर शमर की गेंद पर बोल्ड हो गए। कप्तान बावुमा 0 पर आउट हो गए। इस दौरान ट्रिस्टन स्टब्स 26, डेविड 28, काइल 21 रन ही बना पाए। वियान मुल्डर 0, केशव महाराज 0, कागिसो रबाडा 0 पर आउट हो गई। अंत में डेन पीडट ने 38 तो नांद्रे बर्गर ने 23 रन बनाकर स्कोर 160 तक पहुंचा दिया। शमर जोसेफ ने महज 33 रन देकर 5 विकेट लीं जबकि जेडन सील्स ने 3 विकेट लीं।

कभी सुरक्षा गार्ड था शमर जोसेफ

विंडीज तेज गेंदबाज शमर जोसेफ गुयाना के रहने वाले हैं। उन्होंने गुयाना के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला। उन्होंने जनवरी 2024 में एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेस्टइंडीज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। अपने पेशेवर क्रिकेट करियर से पहले, उन्होंने एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम किया। वह ऐसे गांव में पला पढ़ा जहां पर इंटरनेट सुविधा या टेलीफोन कनेक्शन नहीं थे। जोसेफ ने अपने टेस्ट करियर की पहली गेंद पर एक विकेट भी लिया जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को 12 रन पर आउट कर दिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

वेस्टइंडीज - क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), मिकाइल लुइस, कीसी कार्टी, एलिक अथानाजे, केवम हॉज, जेसन होल्डर, जोशुआ दा सिल्वा (विकेटकीपर), गुडाकेश मोती, जोमेल वारिकन, शमर जोसेफ, जेडन सील्स

दक्षिण अफ्रीका - एडेन मार्करम, टोनी डी ज़ोरज़ी, ट्रिस्टन स्टब्स, टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेटकीपर), वियान मुल्डर, केशव महाराज, डेन पिड्ट, कैगिसो रबाडा, नंद्रे बर्गर

नोएडा क्राईम

विभिन्न स्थानों से दो बुलेट बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के अलग-अलग स्थान से चोरों ने दो बुलेट बाइक पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हैबत सिटी शाहबेरी निवासी मोहम्मद राशिद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह घरों में जाकर कारपेंटर का काम करता है। 8 अगस्त को वह सेक्टर 72 के एक मकान में काम करने आया था। उसने अपने बुलेट बाइक घर के बाहर खड़ी कर दी और भीतर काम करने चला गया। शाम के समय जब काम खत्म कर वापस बाहर आया तो घर के बाहर से उसकी बुलेट बाइक गायब थी।

वहीं इसी थाना क्षेत्र के सेक्टर-76 स्थित आदित्य सेलिब्रिटी होम्स सोसाइटी में रहने वाले मृत्युंजय सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह 11 अगस्त को अपनी रॉयल एनफील्ड क्लासिक बाइक को लेकर सेक्टर-76 की जेएम आर्किड सोसायटी की मार्केट गए थे। वह अपनी बुलेट बाइक को मार्केट के बाहर खड़ी कर भीतर चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने आपराधिक वारदात को अंजाम देने के राधे से घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा, कारतूस व चाकू बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिसकर्मी गाजीर चौकी क्षेत्र में ग्रस्त कर रहे थे इस दौरान सेक्टर-52 स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पैदल जा रहे दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे संदेह के आधार पर पुलिसकर्मियों ने दोनों को दबोच लिया तलाशी में उनके पास से एक तमंचा कारतूस व चाकू बरामद हुआ पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम अंकित पुत्र नरेश कुमार व प्रशांत राय पुत्र परमानंद राय निवासी ग्राम गिझोड़ बताया। दोनों बदमाशों ने स्वीकार किया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने के राधे से घूम रहे थे दोनों आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कार्यालय में पेश किया गया है।

किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के हबीबपुर से पड़ोस में रहने वाला एक युवक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और किशोरी की तलाश कर रही है।

हरपुर गांव में किराए पर रहने वाली प्रतिमा काल्पनिक नाम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी एक कंपनी में काम करती थी। कंपनी में ही काम करने वाले शनि पुत्र अनिल निवासी कन्नौज से उसकी बेटी की जान पहचान हो गई थी 16 अगस्त को शनि उनके घर से उनके बेटे को बहला फैसला कर भाग ले गया। प्रीति मां ने बताया कि घटना के समय वह नौकरी पर गई हुई थी शाम को जब वह ड्यूटी खत्म कर घर आई तो उनकी बेटी गायब थी। आसपास तलाश में पर पड़ोसियों ने बताया कि उनके बेटी को शनि अपने साथ ले गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

दो सोने की चेन तथा आई फोन लूटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में बदमाशों ने लूट की दो वारदातों को अंजाम दिया। बाइक सवार बदमाश एक व्यक्ति से आईफोन तथा दूसरे व्यक्ति के गले से सोने की चेन लूट कर ले गए।

हैबिटेट पंचतत्व सोसायटी निवासी अखिलेश कुमार मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 13 अगस्त की रात्रि को रॉयल नेक्स्ट सोसायटी के सामने टहल रहे थे। इस दौरान बाइक पर आया एक बदमाश उनके हाथ से फोन छीन कर ले गया। उन्होंने शोर मचाकर बदमाश का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गया।

बाइक सवार बदमाशों ने लूट की दूसरी घटना को एसीई सिटी सोसाइटी के पास अंजाम दिया। राजहंस रेजिडेंसी निवासी चितरंजन त्रिपाठी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 14 अगस्त की सुबह घर से अपने बेटे को स्कूल छोड़ने के लिए गए थे। वह अपने बेटे को स्कूल में छोड़कर स्कूटी से घर वापस आ रहे थे। एसीई सिटी सोसायटी के पास स्पोर्ट्स बाइक पर आए दो बदमाशों ने उनके गले से झपटा मार कर सोने की चेन खींच ली। उन्होंने अपनी स्कूटी से बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन वह स्पोर्ट्स बाइक पर चंद पलों में ही रफूचक्कर हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

दो बदमाश दबोचे, तमंचा व कारतूस बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने ग्रीन बेल्ट में बैठकर लूट की योजना बना रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचे व कारतूस बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गस्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की डाटा सेंटर के पास ग्रीन बेल्ट में दो बदमाश लूट की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्रीन बेल्ट में बैठे दो बदमाशों को धर दबोचा। तलाशी में इन बदमाशों के पास से एक-एक तमंचा, कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम सुमित पुत्र सुनील कुमार व दीपू सैनी पुत्र चंद्रभान बताया। पकड़े गए दोनों बदमाशों ने बताया कि वह ग्रीन बेल्ट में बैठकर अपने साथी बिट्टू व अमन का इंतजार कर रहे थे उनके आने पर वह राहगीरों से लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

स्कूटी व इनवर्टर चोरी का मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 में एक व्यक्ति ने अपने यहां काम करने वाले पूर्व कर्मचारी के खिलाफ स्कूटी व इनवर्टर की बैटरी चोरी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-144 निवासी अमन स्नेहल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने 13 जुलाई को अपने बेस किचन में काम करने के लिए यमुना ब्रिज आगरा निवासी वीरेंद्र सिंह को काम पर रखा था। 30 जुलाई को वीरेंद्र ने शराब पीकर हंगामा किया जिसके बाद उन्होंने उसे नौकरी से निकाल दिया। 31 जुलाई को वीरेंद्र सिंह ने उन्हें अलग-अलग नंबरों से फोन कर अंजाम भुगतने की धमकी दी। उन्होंने उसकी धमकियों को नजरअंदाज कर दिया। अमन स्नेहल ने बताया कि 5 अगस्त को उनके यहां किचन के बाहर खड़ी स्कूटी व इनवर्टर की दो बैटरी चोरी हो गई। चोरी की घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपने यहां लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की। सीसीटीवी फुटेज में वीरेंद्र सिंह अपने एक साथी के साथ स्कूटी व इनवर्टर की बैटरी ले जाता हुआ दिखाई दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दोस्तों, यदि आप किसी विमान में सफर कर रहे हों और विमान एयरपोर्ट पर लैंड करते समय पहाड़ियों के करीब से गुजरे, या समुद्री तट को छूते हूए निकले तो जाहिर है आपकी सांसें थम जाएंगी। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है, लेकिन हम जिन हवाई अड्डों के बारे में बताने जा रहे हैं, वहां ऐसा रोजाना होता है। यही कारण है कि इन पांच हवाई अड्डों को विश्व के खतरनाक हवाई अड्डों में गिना जाता है।

दुनिया के खतरनाक हवाई अड्डे

प्रिंसेस जुलियाना एयरपोर्ट

जुलियाना एयरपोर्ट कैरेबियाई द्वीप में बना हुआ है, जो इसलिये खतरनाक माना जाता है क्योंकि यहां के रनवे पर उतरने से ठीक पहले हवाई जहाज को एक सड़क के ऊपर से गुजरना होता है। एक ऊंची दीवार भी इस रोड के किनारे बनी हुई है, जिस वजह से पायलट को जहाज उतारते वक्त खासा नियंत्रण रखना होता है। रनवे से ठीक पहले बनी इस रोड पर ट्रैफिक चलता रहता है और लोगों का आवागमन जारी रहता है। इस एयरपोर्ट का निर्माण 1942 में मिलिट्री एयरबेस के रूप में किया गया। 1943 में इसे सामान्य लोगों के लिये खोल दिया गया। उसके बाद 1964 में इसमें कई नये रनवे बनाये गये। 1944 में इस एयरपोर्ट का नाम नीदरलैंड्स की राजकुमारी जुलियाना के नाम पर रखा गया।

आइस रनवे

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, इसका रन वे का निर्माण बर्फ को ठीक प्रकार से फैला कर किया गया है। इसका प्रयोग मैकमुर्डो स्टेशन में काम करने वाले खोजकर्ता करते हैं। यहां छोटे- छोटे एयरक्राफ्ट लैण्ड करते हैं, ऐसे में लैण्ड करते समय पाइलेट को प्लेन के भार को ध्यान रखना पड़ता है कि कहीं भारी होने के कारण बर्फ की परत टूट न जाये। ऐसे में बड़ी दुर्घटना की गुंजाइश हमेशा बनीं रहती है। यह यूनाइटेड स्टेट्स के अंटार्कटिक कार्यक्रम का मुख्य रनवे है। इस रनवे पर विशेष प्रकार के प्लेन या एयरक्राफ्ट लैण्ड करवाए जाते हैं। इस रनवे का प्रयोग दिसम्बर के पहले सप्ताह तक किया जाता है, इसके बाद रनवे की बर्फ टूटने लगती है। इस पर 450,000 पाउण्ड का एयर क्राफ्ट लैण्ड कर सकता है।

सेवेलबार्ड एयरपोर्ट, नार्वे

यह हवाई अड्डा नार्वे में स्थित है, जो एक द्वीपसमूह पर बना हुआ है। इंजीनियरों ने यहां के बेहद ठंडे वातावरण का लाभ उठाते हुए, इसे पर्माफ्रास्ट की परत पर बनाया है। पर्माफ्रॉस्ट एक तरह की चट्टान होती है, जो आम तौर पर बर्फीली जगहों पर पाई जाती है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ पिघलने से इसकी हवाई पट्टी का दोबारा निर्माण किया है। बर्फ के लगातार पिघलते रहने से इसके निर्माण में जल्द ही परिवर्तन किया गया है। इस एयरपोर्ट का निर्माण द्वितीय विश्वयुद्ध के समय हुआ था। उस दौरान एयरपोर्ट को इस्तेमाल किए जाने के बाद बंद कर दिया गया। कई साल बाद 1959 में फिर से उड़ानों का संचालन शुरू हुआ और वो भी बहुत कम संख्या में। 1973 में इसका पुनर्निर्माण किया गया और व्यापक स्तर पर यहां से विमान उड़ान भरने लगे। कुल मिलाकर यदि आप एयरपोर्ट के बाहर खड़े होकर नजारा देखेंगे तो आप भी भौचक्के रह जाएंगे।

मैडीरा एयरपोर्ट, पुर्तगाल

पुर्तगाल के एक पहाड़ पर स्थित मैडीरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण किए जाने के वक्त इसके रनवे की लंबाई 5000 फुट थी। उस दौरान कई विमान लैंड करते वक्त व उड़ान भरते वक्त पहाड़ियों से टकराए। इसे देखते हुए रनवे की लंबाई बढ़ाकर 9000 फुट कर दी गई, लेकिन यह विस्तार खंभों पर किया गया। इस एयरपोर्ट का आधा रनवे करीब 200 खंभों पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे खतरनाक हवाई अड्डों में से एक माना जाता है। पहले इसका नाम सैंटा कैटरीना एयरपोर्ट था, बाद में यहां से 13 किलोमीटर दूर सैंटा क्रूज में सैंटा कैटरीना एयरपोर्ट बनने के बाद इसका नाम मडीरा एयरपोर्ट रख दिया गया। यहां से पुर्तगाल की कई अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय उड़ानें रोज गुजरती हैं। इस एयरपोर्ट के एक तरफ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ हैं और एक तरफ समुद्र है। एयरपोर्ट पर हवाई जहाज को लैंड कराना आम पायलट के बस की बात नहीं। यहां पर अनुभवी पायलटों को ही लैंडिंग की इजाजत दी जाती है। इस हवाई अड्डे का विस्तारित रनवे जिन खंभों पर टिका हुआ है, उनकी ऊंचाई 60 से 70 मीटर तक है। इस एयरपोर्ट का निर्माण 1964 में हुआ था। पहले इस एयरपोर्ट को ज्यादा लोग नहीं जानते थे, लेकिन रनवे के अलौकिक विस्तार के बाद से यह विश्व प्रसिद्ध हवाई अड्डा बन गया।

सबा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

यह एयरपोर्ट पहाड़ियों के बीच बना हुआ है, तीनों ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। इस एयरपोर्ट का रनवे बेहद छोटा होने के कारण इस पर उड़ान भरना बेहद खतरनाक है। इस पर एक '&' के आकार का निशान बनाया है जिसका मतलब है कि यहां पर लैण्ड करना मना है। यह अनुभवी पाइलेट के लिए भी एक चुनौती है। इसकी गोल स्थलाकृति के कारण इस पर प्लेन का लैंड करना और भी मुश्किल होता है। इसका रनवे मात्र 400 मीटर का है जिससे टेक ऑफ और लैडिंग के वक्त प्लेन के आसपास की चट्टानों से टकरा जाने या संतुलन न बन पाने के कारण समुद्र में गिर जाने की संभावना अधिक होती है। इस एयरपोर्ट को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यहां पर स्थानीय, प्रशिक्षित और अनुभवी एयरक्राफ्ट के पाइलेट ही प्लेन लैंड करते हैं।

जिब्राल्टर, स्पेन

यह प्रायद्वीप स्पेन जाने वाले पर्यटकों में अत्यंत लोकप्रिय है, लेकिन यहां आना अत्यंत रोमांचक है। जगह की कमी के कारण हवाई अड्डे का रनवे अत्यंत व्यस्त सड़क से गुजरता है, जिसे हर उड़ान और लैंडिंग के लिए रोकना पड़ता है। दुनिया में और कहीं ऐसी क्रॉसिंग नहीं।

बारा, स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड के बारा द्वीप पर समुद्र की लहरें हवाई परिवहन को तय करती हैं। ज्वार भाटे का पानी आने से उत्तरी अटलांटिक में स्थित हवाई पट्टी डूब जाती है और जहाज का उतरना खतरे से खाली नहीं होता। लेकिन इस द्वीप पर और कोई दूसरा हवाई अड्डा है नहीं।

माले, मालदीव

जहाज पर बैठ कर हवाई पट्टी को देखें तो तुरंत विश्र्वास हो जाता है कि मालदीव के समुद्र में डूब जाने का खतरा सच्चा है। माले का रनवे चारों ओर से समुद्र के नीले पानी से घिरा है। हुलहुले एयरपोर्ट राजधानी से दो किलोमीटर दूर एक कृत्रिम द्वीप पर बनाया गया है।

लुकला, नेपाल

जो एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ना चाहता है, उसका लुकला के हवाई अड्डे से बचना मुमकिन नहीं। नहीं तो सात दिन का पैदल सफर। पायलटों को रनवे पर उतरने के लिए पहाड़ की तरफ बढ़ना पड़ता है क्योंकि उसकी ढलान 12 फीसदी है। रनवे के आखिरी छोर पर 600 मीटर की खाई।

पारो, भूटान

पारो हवाई अड्डा भूटान का अकेला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। वह एक गहरी घाटी में 2236 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इसकी वजह से यहां उड़ान भरना या लैंड करना सिर्फ अच्छे मौसम में ही संभव है। 1990 तक रनवे सिर्फ 1400 मीटर लंबा था, अब उसे बढ़कर 1964 मीटर कर दिया गया है।

तेगुसिगाल्पा, होंडुरास

होंडुरास की राजधानी के हवाई अड्डे पर उतरना तीन तरह से चुनौतीपूर्ण है। एक तो रनवे सिर्फ दो किलोमीटर लंबा है, दूसरे वहां उतरने से पहले पायलट को तीखा मोड़ काटना पड़ता है। उसके पहले उन्हें पहाड़ी इलाके से गुजरना पड़ता है।

भक्षक के निर्देशक पुलकित के साथ काम करेंगे राजकुमार राव!

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वे फिल्म में एक बार फिर श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगे। अभिनेता फिल्म का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच उनकी नई फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता को लेकर दावा किया गया है कि वे अगली फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे, जिसका निर्देशन भक्षक के निर्देशक पुलकित करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू होगी। इसकी आधिकारिक घोषणा की जा रही है। यह एक पूरी तरह से कमर्शियल एंटरटेनर है जिसमें राजकुमार राव एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर उत्तर प्रदेश में करने की योजना बनाई है, उसके बाद कुछ हिस्सा मुंबई में भी शूट किया जाएगा, क्योंकि पूरी कहानी और किरदार यूपी में ही आधारित है। राजकुमार इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हैं और सितंबर के पहले हफ्ते में टीम के साथ कुछ रीडिंग और वर्कशॉप करेंगे। इसके साथ ही रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माता नई कास्टिंग की तलाश में थे और उन्होंने फिल्म के लिए राजकुमार और मानुषी छिल्लर की जोड़ी बनाने का सोचा है। दोनों की जोड़ी फिल्म में दिलचस्प भूमिका निभाएगी। ऐसे में पुलकित निर्देशित आगामी फिल्म में राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर पहली बार साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म के सितंबर 2024 में फ्लोर पर आने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट से राव एक्शन जॉनर में भी कदम रखेंगे।

मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा शेखर होम को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कीर्ति ने कहा, मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती। उन्होंने कहा, काम की क्वांटिटी कभी-कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है। शेखर होम में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है। इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं।

शेखर होम का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी- द मूवी से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह शैतान, सुपर से ऊपर, जल जैसी फिल्मों में नजर आईं। कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म पिंक में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके बाद उन्होंने इंदु सरकार में लीड रोल निभाया और ब्लैकमेल में भी नजर आईं। कीर्ति ने जगन शक्ति द्वारा निर्देशित मिशन मंगल में काम किया, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के जीवन पर आधारित थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा, तापसी पन्नू, नित्या मेनन और शरमन जोशी लीड रोल में थे। एक्ट्रेस ने उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक, द गर्ल ऑन द ट्रेन, शादीस्थान और खिचड़ी 2- मिशन पंथुकिस्तान में काम किया। वह फोर मोर शॉट्स प्लीज!, बार्ड ऑफ ब्लड, क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स और ह्यूमन जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला की पहली फिल्म हुई ब्लॉकबस्टर

अभिनेता राम चरण ने दी बधाई

तेलुगु फिल्मों में हर फिल्म के साथ एक नई प्रतिभा सामने आती है, जिसे बड़ी हस्तियों द्वारा समर्थन और सराहना भी मिलती हैं। इस कड़ी में अब अभिनेत्री सह फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला और साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता राम चरण का नाम भी जुड़ गया है। निहारिका बतौर फिल्म अभिनेत्री तेलुगु फिल्मों में कोई नया नाम नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बतौर निर्माता अपनी पहली फीचर फिल्म कमिटी कुरोर्लु बनाई है, जिसे काफी पसंद भी किया जा रहा है। इस फिल्म को राम चरण से भी तारीफ मिली है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर टीम की तारीफ की है।

ब्लॉकबस्टर साबित हुई है कमिटी कुर्रोलु

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता निहारिका कोनिडेला की फिल्म कमिटी कुर्रोलु, पिछले शुक्रवार को एक छोटी फिल्म के रूप में रिलीज हुई थी। हालांकि, अपने नयेपन की वजह से देखते ही देखते ये बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई। अपने चार दिवसीय नाट्य सफर में, कमिटी कुर्रोलु ने दुनिया भर के टिकट काउंटरों पर 8 करोड़ रुपये के आसपास की कमाई की है। फिल्म की सफलता के बाद टीम की काफी तारीफ हो रही है। अब इस फिल्म की सराहना करने वालों की सूची में निहारिका के चचेरे भाई राम चरण का नाम भी शामिल हो गया है। उन्होंने इस सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी है।

राम चरण ने दी बधाई

राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, कमिटी कुर्रोलु की बड़ी सफलता के लिए बधाई निहारिका थल्ली। यह सफलता पूरी तरह से योग्य है। आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ आपकी टीम भी वास्तव में प्रेरणादायक है। उनके अविश्वसनीय प्रयास के लिए पूरी कास्ट और क्रू को बधाई। इसके साथ ही अभिनेता ने इस कहानी को पर्दे पर बेहतरीन तरीके से उतारने के लिए निर्देशक यधु वामसी को भी धन्यवाद दिया।

हीरामंडी के बाद चमके ताहा शाह की किस्मत के सितारे, अभिनेता ने साइन की तीन फिल्मों की डील

अभिनेता ताहा शाह बदुशा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में ताजदार का किरदार निभाकर उनकी किस्मत चमक चुकी है। ताजा खबरों की मानें तो ताहा शाह ने रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों का करार किया है। रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ ताहा की तीन फिल्मों में से पहली का निर्देशन रोहन सिप्पी करेंगे। रोहन इससे पहले ब्लफमास्टर, दम मारो दम और नौटंकी साला जैसी फिल्में बना चुके हैं। ताहा के साथ काम करने को लेकर रोहन ने कहा, ताहा स्क्रीन पर एक अनूठी ऊर्जा और उपस्थिति लाते हैं। मैंने उन्हें ताज और हीरामंडी में देखा है।अपने काम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता सराहनीय है। वहीं, ताहा भी तीन फिल्मों के इस करार के बाद काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट के साथ तीन फिल्मों का करार करना सम्मान की बात है। ताहा ने कहा, रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म में काम करना एक सपने जैसा है। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

किंग में सुहाना के साथ अपनी भूमिका पर शाहरुख ने तोड़ी चुप्पी

शाहरुख खान ने पिछले साल एक नहीं, बल्कि तीन धमाकेदार फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, अब शाहरुख खान अपनी अगली फिल्मों में व्यस्त हैं, जिनमें से एक है किंग। इस फिल्म में वे अपनी बेटी सुहाना खान के साथ काम करेंगे। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन अब शाहरुख ने खुद इस फिल्म में अपनी भूमिका पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मीडिया से बातचीत के दौरान शाहरुख ने आखिरकार अपनी आने वाली एक्शन फिल्म के बारे में बात की, जिसका निर्देशन सुजॉय घोष ने किया है। एक वीडियो में जो अब ऑनलाइन वायरल हो रहा है, अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की। उन्होंने कहा, अगली फिल्म जो मैं कर रहा हूं वह किंग है। मुझे इस पर काम करना शुरू करना है। थोड़ा वजन कम करना है। थोड़ा स्ट्रेच करना है, ताकि एक्शन करते समय मेरी कमर में खिंचाव न आए। किंग के बारे में संकेत देते हुए शाहरुख ने कहा, अब, मैं एक खास तरह की फिल्म करना चाहता हूं, जिसमें शायद उम्र पर ध्यान केंद्रित हो और मैं कुछ नया करना चाहता हूं। छह-सात साल से मैं इसके बारे में सोच रहा हूं। मैंने एक दिन सुजॉय से इस बारे में बात की और उन्होंने कहा, सर, मेरे पास एक विषय है। फिल्में चुनने के अपने तरीके के बारे में बात करते हुए शाहरुख खान ने कहा, मैं इसे सुनता हूं, उनके साथ समय बिताता हूं और फिर हम आगे बढ़ते हैं, फिल्म बनाते हैं और खूब मौज-मस्ती करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि कभी कभी यह इतना भी सरल नहीं रहता। इसके साथ ही उन्होंने किंग में काम करने को लेकर उत्साह साझा किया है और अब उनके प्रशंसक भी इस खबर से खुश हैं। किंग सुहाना की पहली बड़ी फिल्म होगी, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

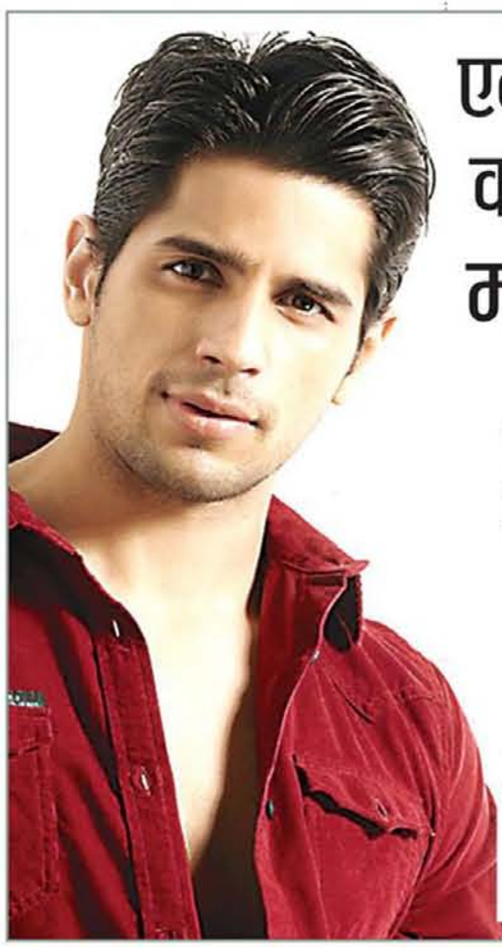

एक बार फिर साथ काम करने को तैयार सिद्धार्थ मल्होत्रा-करण जौहर!

सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर दावा किया जा रहा है कि वे अपनी नई फिल्म के लिए फिल्म निर्देशक और निर्माता करण जौहर से बातचीत कर रहे हैं। यह फिल्म एक्शन ड्रामा हो सकती है। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार इस साल फिल्म योद्धा में देखा गया था, जिसमें वे जवान की भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद सिद्धार्थ ने अब तक अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि वे जल्द ही अपनी नई फिल्म के बारे में प्रशंसकों को जानकारी देंगे। सोशल मीडिया पर पहले ही ये खबरें चल रही थीं कि सिद्धार्थ मल्होत्रा अगली बार फिल्म मिट्टी में नजर आएंगे, जिसकी उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। वहीं, इस बीच अब उनकी नई फिल्म को लेकर जानकारी सामने आई है।

करण जौहर लिख रहे हैं स्क्रिप्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म निर्माता करण जौहर की आगामी एक्शन फिल्म में अभिनय करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों अगले साल नई फिल्म पर साथ काम कर सकते हैं। अगले साल फिल्म शुरू होने की भी चर्चा है। करण जौहर ने पहले पुष्टि की थी कि उनकी अगली फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी, जिसकी कहानी वे फिलहाल लिख रहे हैं।

सिद्धार्थ को सुनाई गई कहानी

वहीं अब दावा किया जा रहा है कि करण जौहर की इस एक्शन फिल्म के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा को चुना गया है। फिल्म में सिद्धार्थ मुख्य भूमिका के लिए करण जौहर के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और करण जौहर के बीच बहुत ही खास रिश्ता है और करण को लगता है कि सिद्धार्थ एक्शन फिल्में करने के लिए ही बने हैं। ऐसे में करण जौहर ने सिद्धार्थ को फिल्म की कहानी सुनाई है और सिद्धार्थ ने भी कहानी को लेकर अपनी रुचि दिखाई और उत्साह भी जताया हैं।

जल्द किया जाएगा फिल्म का एलान

हालांकि, अभी इन खबरों पर ना तो सिद्धार्थ मल्होत्रा और ना ही करण जौहर ने चुप्पी तोड़ी है। इस फिल्म को लेकर आधिकारिक सूचनाएं आने अभी बाकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, करण जौहर इस एक्शन फिल्म का निर्देशन खुद करेंगे। इससे पहले उन्होंने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए सात साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर वापसी की थी। वहीं अब चर्चा है कि यदि सिद्धार्थ और करण जौहर के बीच सब कुछ सही रहा तो वे जल्दी फिल्म का आधिकारिक एलान करेंगे।

केजीएफ 3 के सवाल पर रवीना ने दी प्रतिक्रिया

रवीना टंडन बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा हैं। 90 दशक से लेकर अब तक वह लगातार फैंस के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में रवीना मुंबई की सड़कों पर पैपराजी के कैमरे में कैद हो गईं जब उनसे केजीएफ 3 को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं बता सकती हैं। बता दें कि केजीएफ 2 में रवीना ने अपनी दमदार अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए थे।

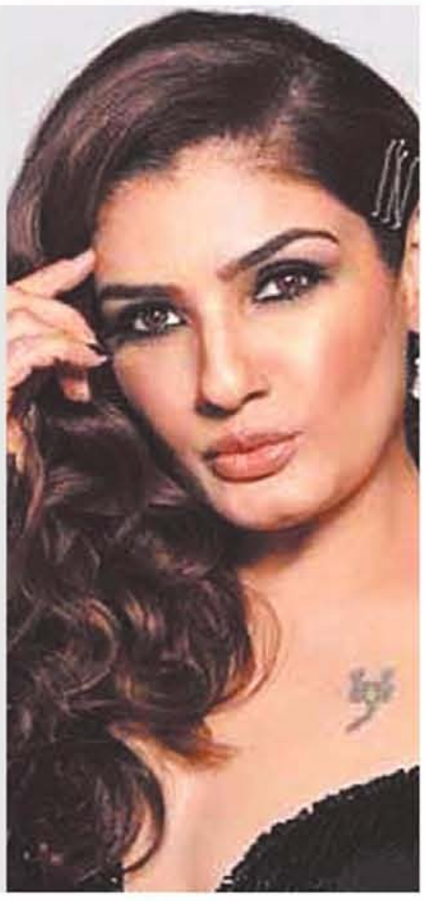

'नमो भारत ट्रेन' के 5 स्टेशनों की होगी ब्रांडिंग

एनसीआरटीसी ने आमंत्रित की निविदाएं, स्टेशनों को अपना नाम दे सकेंगी कंपनियां

गाजियाबाद (चेतना मंच)। भारत के पहले रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और नमो भारत ट्रेन के लिए एनसीआरटीसी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के परिचालित खंड के पाँच स्टेशनों के लिए विशेष सेमी-नेमिंग और को-ब्रांडिंग अधिकारों के लिए निविदाएँ आमंत्रित की हैं। अब देश की नामी-गिरामी ब्रांडेड कंपनियां इन पांच स्टेशनों को अपना नाम दे सकेंगी।

इस पहल का उद्देश्य यात्रियों के अनुभव और सुविधा को बढ़ाने के साथ-साथ आरआरटीएस कॉरिडोर की वित्तीय स्थिरता के लिए नॉन-फेयर बॉक्स रेवेन्यू के विकल्प उत्पन्न करना है। इसमें भाग लेकर, ब्रांड्स अपने नाम को आरआरटीएस स्टेशनों के साथ जोड़कर अपनी ब्रांड पहचान को प्रभावी रूप से बढ़ा सकते हैं।

इन अधिकारों को प्राप्त करने वाले ब्रांड्स को स्टेशन के नाम के पहले या

बाद में अपने नाम को जोड़ने, स्टेशन की दीवारों, होर्डिंग्स, और प्रवेश/निकास द्वारों पर अपने ब्रांड के रंगों को शामिल करने, और निर्मित व खाली जगहों का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। ब्रांडिंग स्टेशन के अंदरूनी हिस्सों जैसे कॉनकोर्स और प्लेटफार्म स्तर पर और बाहरी हिस्सों जैसे स्टेशन के दोनों किनारों पर स्थित कॉलम और पियर तक फैलेगी, जिससे उनके ब्रांड्स सड़क पर और पैदल यात्रियों को भी प्रभावी रूप से दिखाई देंगे।

एनसीआरटीसी, इन व्यापक ब्रांडिंग अवसरों के अलावा, ट्रेन के भीतर ऑडियो अनाउंसमेंट में भी को-ब्रांडेड स्टेशन के नामों को शामिल करेगा, जिससे दैनिक यात्रियों के साथ ब्रांड इंटरैक्शन और बढ़ेगा। स्टेशन के नक्शों पर भी ब्रांड के लोगो को प्रमुखता से दिखाया जाएगा।

ऑन लाइन करें आवेदन

सेमी नेमिंग राइट्स को प्राप्त करने के लिए निविदा दस्तावेज सेंट्रल प्रोक्योरमेंट पोर्टल (CPP) और NCRTC की आधिकारिक वेबसाइट www.ncrtc.in पर उपलब्ध हैं। इस संबंध में एक प्री-बिड बैठक 20 अगस्त, 2024 को दोपहर 3:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) के माध्यम से निर्धारित है। इच्छुक पक्ष निविदा दस्तावेज़ों में दिए गए ईमेल पते पर अनुरोध भेजकर VC में शामिल हो सकते हैं।

22 लाख लोग कर चुके हैं यात्रा

नमो भारत ट्रेनों में अब तक 22 लाख से अधिक यात्री यात्रा कर चुके हैं। आरआरटीएस स्टेशन दिल्ली-मेरठ हाईवे पर रणनीतिक रूप से स्थित हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हैं, जो बाजारों, शिक्षण संस्थानों और रिहायशी इलाकों से घिरे हुए हैं। यह प्रमुख स्थान मार्केटिंग उद्देश्यों के लिए बेहतरीन ब्रांड विजिबिलिटी प्रदान करता है। इस पहल के तहत गुलधर आरआरटीएस स्टेशन के लिए सेमी-नेमिंग अधिकार पहले ही हासिल किए जा चुके हैं।

नोएडा आने का मिथक तोड़ सीएम योगी ने बनाया नया रिकॉर्ड

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक और बड़ा रिकॉर्ड जुड़ गया है। उन्होंने नोएडा आने पर मुख्यमंत्री को अपनी कुर्सी गंवा देने का मिथक तोड़कर यह रिकॉर्ड बनाया है। वह उत्तर प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा दिनों तक मुख्यमंत्री का पदभार संभाला है। यह रिकॉर्ड बनाकर उन्होंने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव, सुश्री मायावती और अखिलेश यादव को पीछे छोड़ दिया है।वह उत्तर प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जो 7 साल 149 दिन तक मुख्यमंत्री के पद पर आसीन रहे हैं।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कमान संभाली थी। वर्ष 2022 में हुए उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा ने जीत दर्ज की। इसके बाद एक बार फिर उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बनाया गया। इस प्रकार सीएम योगी ने 7 वर्ष 149 दिन तक मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला है उनका यह रिकॉर्ड पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और मायावती को पीछे छोड़ रहा है।

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दिनों तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, प्रशासनिक ढांचे में काम के प्रति जवाबदेही तथा कई सख्त निर्णय लेकर अपनी एक अलग छवि बनाई है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने 3 साल 257 दिन, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 4 साल 307 दिन, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 5 साल 4 दिन तक मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला था। वहीं योगी आदित्यनाथ ने 7 साल 149 दिन तक मुख्यमंत्री रहकर नया रिकॉर्ड बनाया है अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में 15 मार्च 2012 को कार्यभार संभाला था। उसे समय वह 38 वर्ष के थे और वह सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने थे।

'आप' नेताओं ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। आजादी के 78वें राष्ट्रीय महापर्व को पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान

आम आदमी पार्टी के जिला कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। इसके बाद 'आप' कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सलामी दी एवं स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों को याद किया।

इस मौके पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ अशोक कमांडो, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ बीपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलदार अंसारी, उपाध्यक्ष नवीन भाटी, उपाध्यक्ष मनोज यादव, राबिया किदवई, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण धीमान, प्रशांत रावत, जिला उपाध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, जिला सचिव अफ़ज़ल चौधरी, जिला सचिव जयकिशन जयसवाल, जिला सचिव विजय श्रीवास्तव, जिला सचिव शंकर चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य सतीश गौतम, प्रिंस राजोरिया, लखन यादव सहित तमाम पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार बन्द करो : अनिल आर्य

दिल्ली। आर्य समाज की ओर से बांग्लादेश में मारे गए हिन्दुओं की आत्मा की शांति के लिए आर्य समाज कबीर बस्ती, विजय नगर, देव नगर,वजीर पूर,डिस्ट्रिक्ट पार्क लोनी रोड व डेरावाल नगर में यज्ञ किया गया व हिंदुओं की हत्या व लूटपाट पर आक्रोश सभा की गयी।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार बन्द हो उनके साथ लूट पाट हत्याएं निंदनीय हैं और मानवता के नाम पर कलंक हैं।वह बांग्लादेश के सम्मानित नागरिक हैं उन्हें भी जीने का अधिकार है ढ्ढ उन्होंने कहा कि भरत सरकार को अब हस्तक्षेप करना चाहिए अन्यथा बांग्लादेश के दो हिस्से करके हिन्दुओं के लिए अलग राष्ट्र बनाया जाना चाहिए।वीर भोग्या वसुंधरा वेद का संदेश है वीर लोग ही धरती का सुख प्राप्त करते हैं अत: हिन्दुओं को मज़बूत व जात-पात,प्रांतवाद से ऊपर उठकर संगठित होना पड़ेगा क्योंकि आत्म रक्षा का अधिकार सभी को है।

आचार्य महेन्द्र भाई,ओम सपरा, आचार्य प्रेम पाल शास्त्री, पार्षद वीकेश सेठी, सुशील बाली, रामकुमार आर्य,वेद प्रकाश आर्य, अविनाश चुग, संतोष शास्त्री, सतीश शास्त्री, सोनिया संजू, यज्ञवीर चौहान आदि ने भी संबोधित किया।सभी ने विपक्ष द्वारा मौन रहने पर दु:ख प्रकट किया।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

एमिटी में 200 से अधिक पीएचडी छात्रों का स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। शोध व नवोन्मेष के लिए इस वर्ष एमिटी विश्वविद्यालय में हजारों अभ्यर्थियों ने विभिन्न डाक्टरेट प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। चयन प्रक्रिया के उपरांत लगभग 200 से अधिक छात्रों को डाक्टरेट पाठयक्रम के लिए चुना गया। एमिटी विश्वविद्यालय मे पीएचडी ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा (प्रो) बलविंदर शुक्ला, ने संबोधित करते हुए कहा आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है जब एमिटी के सबसे उच्च शिक्षण कार्यक्रम के 200 से अधिक पीएचडी छात्रों का नया सत्र प्रारंभ हो रहा है। किसी भी देश के विकास में शोध महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इसलिए आपको अपने शोध को देश विकास में निहित कार्य समझ कर करना है।

एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डा गुरिंदर सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान में पीएचडी करने वाले उस संस्थान को नई पहचान देते है। आप आने वाले छात्रों के पथप्रदर्शक है। एमिटी सदैव युवाओं को अनुसंधान के लिए प्रेरित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। हवन के उपरांत ओरियंटेशन कार्यक्रम के तहत एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती, फैकल्टी ऑफ हैल्थ एंड एलाइड साइंस के डीन एंव यूनिवर्सीटी रिर्सच कांउसिल के चेयरमैन डा बीसी दास ने छात्रों को संबोधित किया।

'भगीरथ' साबित हो रहा प्राधिकरण का जल विभाग

नोएडा में खोले गए 3 वाटर एटीएम, इसके पूर्व भी लगे कई वाटर एटीएम

नोएडा। नोएडा क्षेत्र के नागरिकों को साफ पानी देने के लिए तीन स्थानों पर वाटर एटीएम खोला गया। सीएसआर के जरिए पहला वाटर एटीएम चौड़ा गांव और दूसरा 12-22 और तीसरा ममूरा गांव में खोला गया। इन तीनों का शुभांरभ प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने किया। वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रतिघंटा है। ऐसे में लोगों को फिल्टर पानी पीने को मिलेगा।

सीईओ लोकेश एम ने बताया कि इस वाटर एटीएम में कई फेज में फिल्टर होता है। इसकी मशीन में अल्ट्रा वायलेट सिस्टम , ओजोनेटर, सेंड फिल्ट्रेशन , कार्बन फिल्ट्रेशन के अलावा 5-10 इंच माइक्रो फिल्ट्रेशन और पेएबल फिल्ट्रेशन है। इसका प्रयोग पानी की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए होगा। इसके अतिरिक्त इस वाटर एटीएम में पानी की हार्ड नेस , फ्लोराइड , क्लोराइड और अन्य अशुद्धियों को दूर करने के लिए रिवर्स ओसमोसिस (आरओ) की व्यवस्था की गयी है।

यहा लगाई गई मशीन ऑटोमैटिक कार्ड आपरेट वाटर वेंडिंग मशीन है। जिसे पानी निकालने के लिए एक एटीएम नुमा कार्ड दिया जाएगा। एटीएम की क्षमता 20 लीटर प्रति कार्ड की है। इसके अलावा एक अन्य वेंडिंग मशीन भी है जिसके एटीएम कार्ड की क्षमता 1 लीटर प्रति कार्ड ठंडा और प्योर ड्रिंकिंग वाटर की है। जल विभाग द्वारा इस वाटर एटीएम को सुबह 7 से 12 बजे और शाम को 5 से 8 बजे तक रोजाना आम लोगों के लिए निशुल्क चलाया जाएगा।

ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ एआरटीओ विभाग सख्त

248 चालकों के डीएल व वाहनों के परमिट निलंबन की कार्रवाई

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक संभागीय परिवहन विभाग एआरटीओ जनपद में चलने वाले ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ काफी सख्ती बरत रहा है। सख्ती का आलम यह है कि पिछले चार महीने के दौरान प्रवर्तन विभाग ने विशेष अभियान चला कर 573 ओवरलोडेड ट्रको वा डंपरों के चालान किए तथा 394 वाहन बंद किये। इस दौरान वाहनों से करीब 205.35 लाख रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया।

चार माह में 537 वाहनों के चालान 394 किए बंद

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी(एआरटीओ) प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा ने बताया कि ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन विभाग आक्रामक अभियान चला रहा है। अभी भी यह अभियान जारी है।

एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने बताया कि 1 अगस्त से 13 अगस्त तक प्रवर्तन विभाग ने विशेष अभियान चला कर 93 वाहनों के चालान किए तथा 65 वाहनों को बंद किया। वहीं 28.58 लाख रुपए का प्रशमन शुल्क भी वसूला गया।

उन्होंने बताया कि इस दौरान चार ओवरलोडेड वाहनों के स्वामियों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वहीं 248 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन करने की कार्रवाई की गई तथा मोटरयान अधिनियम की धारा-86 के तहत उनके परमिट निलंबन की संस्तुति भी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जेवर टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों के आइटीएमएस के आंकड़ों के आधार पर 130 ओवरलोडेड वाहनों के चालान की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बता दें कि नोएडा की कुछ ट्रक ट्रांसपोर्टर संगठन ने अपने ओवरलोडेड वाहनों को बचाने के लिए उल्टा ही परिवहन विभाग पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजस्थान तथा अन्य राज्यों से आने वाले ओवरलोडेड के खिलाफ़ परिवहन विभाग सख्ती नहीं बरत रहा है जिसके कारण ट्रक मालिकों को काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। जबकि हकीकत यह है कि परिवहन विभाग पिछले चार-पांच माह से ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ काफी सख्ती बरत रहा है तथा उनके खिलाफ आक्रामक घर पकड़ अभियान किया जा रहा है।